राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 23 जनवरी 2025 वर्ष-8,अंक-01 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

4 वाँ साल में

शुभारंभ

क्रांति समय

क्रांति समय न्यूज

We are available on..

- @Krantisamaynewsofficial
- @Krantisamaynewsgujaratiofficial
- @Krantisamayepaper

@Krantisamay

क्रांति समय के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए व्हाट्सएप पर "HII Add" टेक्स्ट करें। Mo. 7490923915

For more info contact:+91 74909 23915 www.krantisamay.com

E-PAPER

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुभाषचन्द्र बोस : आजादी की सबसे उजली उम्मीद बने

(लेखक--ललित गर्ग)

सुभाषचन्द्र बोस जन्म जयन्ती 23 जनवरी, 2025

सुभाषचन्द्र बोस आजीवन भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के लिये युद्ध तथा सैन्य संगठन में रत रहते हुए भारत को आजादी दिलाने के प्रभावी एवं सार्थक प्रयत्न किये। सुभाष बाबू के जीवन पर स्वामी विवेकानंद, उनके गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस तथा महर्षि अरविंद के गहन दर्शन और उच्च भावना का प्रभाव था। युवा सुभाष ने 16 जुलाई 1921 को बम्बई में महात्मा गांधी से मिलने के बाद सम्पूर्ण देश में अंग्रेजों के खिलाफ चल रहे असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया। उस समय देश में गांधीजी के नेतृत्व में असहयोग की लहर थी तथा अंग्रेजी वस्त्रों का बहिष्कार, विधानसभा, अदालतों एवं शिक्षा संस्थाओं का बहिष्कार भी इसमें शामिल था।

खून के बदले आजादी देने का वादा करने वाले भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के करिश्माई नेता, महान स्वतंत्रता सेनानी और विलक्षण एवं साहसी व्यक्तित्व के धनी नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम भारतीय इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा है। उनका त्याग, उनका बलिदान, उनकी साहसिकता, उनकी राष्ट्रीयता सर्वोपरि रहने के बावजूद उन्हें आजादी के बाद यथोचित सम्मान नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुराग्रह का प्रतीक बनी रही, लेकिन लम्बे इंतजार के बाद अच्छी बात हुई है कि आजादी आंदोलन के महानायक एवं कर्मयोद्धा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को नरेन्द्र मोदी सरकार ने 'राष्ट्रीय पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा करके देश के असंख्य लोगों की भावनाओं का सम्मान किया है। वास्तव में हमारी आजादी हमारे ऐसे ही वीरों के पराक्रम, शौर्य, समर्पण और साहस से मिली थी। यह सही है कि स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी का योगदान महत्वपूर्ण था, परंतु नेताजी के योगदान को कमतर आंकना या उनके योगदान का विस्मृत करना, किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। भारत के स्वाधीनता संग्राम में आजाद हिंद फौज एवं नेताजी का सर्वाधिक योगदान रहा है, उनके योगदान की अमर कहानी अभी लिखी जानी शेष है और इसकी शुभ शुरुआत हो गयी है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस आजादी की सबसे उजली उम्मीद बनकर उभरे थे। उन्होंने अपने शौर्य एवं पराक्रम से भारत को आजादी दिलाई एवं उन्होंने जिस अमृत को अपने संघर्ष से बटोरा एवं सुरक्षित भारत की भावी पीढ़ियों के लिए रखा था, वह तो राजनीतिक स्वार्थों की भेंट चढ़ गया। उस अमृत पर तो कोरी राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेकी गयी, अपने-अपने स्वार्थ सिद्ध किये गये, देश को भूला दिया गया, नेताजी के योगदान को भूला दिया गया। यही कारण है कि 78 वर्षों के कालखण्ड में राष्ट्र मजबूत होने की बजाय दिन-ब-दिन कमजोर होता गया। नेताजी भारत के लिये करिश्में का एक ऐसा नाम था, जिन्होंने आजाद हिन्द सरकार के माध्यम से एक ऐसा भारत बनाने का वादा किया था, जिसमें सभी के पास समान अधिकार हों, सभी के पास समान अवसर हों। जो अपनी प्राचीन परम्पराओं से प्रेरणा लेगा और गौरवपूर्ण बनाने वाले सुखी, समृद्ध एवं सशक्त भारत का निर्माण करेगा। यह करोड़ों भारतीयों का सपना था, किंतु सुभाष बाबू से भय खाने वाले अंग्रेजों और बाद में उसी लीक पर चलकर सत्ता और परिवारवाद को मजबूत करने वाले राजनीतिक दलों एवं सत्ताधारियों ने उस महानायक के योगदान एवं सपनों को कुचलने का षड़यंत्रपूर्वक प्रयत्न किया। जब वर्ष 2018 को आजाद हिन्द सरकार के 75वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से तिरंगा फहराया तो देश को मानो उसका बिसराया प्यार, स्वतंत्रता संग्राम की अनूठी स्मृतियों की जीवंतता से देश को वास्तविक रूप में आजादी का स्वाद चगने का अवसर मिल गया है।

सुभाष चन्द्र बोस के लिये असंभव कुछ नहीं था, वे भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। आपका जन्म 23 जनवरी 1897 को को ओड़िशा के कटक शहर में हिन्दू कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माँ का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। पहले वे सरकारी वकील थे मगर बाद में उन्होंने निजी प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 सन्तानें थी जिसमें 6 बेटियाँ और 8 बेटे थे। सुभाष उनकी नौवीं सन्तान और पाँचवें बेटे थे। अपने सभी भाइयों में से सुभाष को सबसे अधिक लगाव शरद चन्द्र से था।

सुभाषचन्द्र बोस आजीवन भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के लिये युद्ध तथा सैन्य संगठन में रत रहते हुए भारत को आजादी दिलाने के प्रभावी एवं सार्थक प्रयत्न किये। सुभाष बाबू के जीवन पर स्वामी विवेकानंद, उनके गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस तथा महर्षि अरविंद के गहन दर्शन और उच्च भावना का प्रभाव था। युवा सुभाष ने 16 जुलाई 1921 को बम्बई में महात्मा गांधी से मिलने के बाद सम्पूर्ण देश में अंग्रेजों के खिलाफ चल रहे असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया। उस समय देश में गांधीजी के नेतृत्व में असहयोग की लहर थी तथा अंग्रेजी वस्त्रों का बहिष्कार, विधानसभा, अदालतों एवं शिक्षा संस्थाओं का बहिष्कार भी इसमें शामिल था। इस बारे में बहुत कम लोग जानते हैं कि जर्मन के तानाशाह अडोल्फ हिटलर ने ही सुभाष चंद्र बोस को सबसे पहली बार 'नेताजी' कहकर बुलाया था। नेताजी के साथ ही सुषाभ चंद्र बोस को देश नायक भी कहा जाता है। कहा जात है कि देश नायक की उपाधि सुभाष चंद्र बोस को रवीन्द्रनाथ टैगोर से मिली थी। 'नेताजी' हर कीमत पर मां भारती को आजादी की बेड़ियों से मुक्त कराने को आतुर देश के उग्र विचारधारा वाले युवा वर्ग का चेहरा माने जाते थे। महात्मा गांधी को सुभाष चंद्र बोस ने ही 'राष्ट्रपिता' कह कर संबोधित किया था। उन्हें 1921 से 1941 के बीच में 11 बार देश के अलग-अलग जेल में कैद किया गया।

सुभाषचन्द्र बोस के जीवन की कहानी अधिक रोमांचकारी एवं अद्भुत रही है, लौह-संकल्पों एवं हौसल्लों से उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिये, जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया जय हिंद का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूँगा' का नारा देकर उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ हुंकार भरी। आजाद हिन्द सरकार ने वादा किया था 'बांटो और राज करो' की उस नीति को जड़ से उखाड़ फेंकने का, जिसकी वजह से भारत सदियों तक गुलाम रहा था। इसके लिये नेताजी ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हाल के सामने 'सुप्रीम कमाण्डर' के रूप में आज़ाद हिंद फौज की सेना को सम्बोधित करते हुए 'दिल्ली चलो!' का नारा दिया और जापानी सेना के साथ मिलकर ब्रिटिश व कामनवेल्थ सेना से बर्मा सहित इंफाल और कोहिमा में एक साथ जमकर मोर्चा लिया। आजाद हिन्द फौज को छोड़कर विश्व-इतिहास में ऐसा कोई भी दृष्टांत या उदाहरण नहीं मिलता जहाँ तीस-पैंतीस हजार युद्धबन्दियों ने संगठित होकर अपने देश की आजादी के लिए ऐसा प्रबल संघर्ष छेड़ा हो।

21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने आज़ाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनायी जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड सहित 11 देशो की सरकारों ने मान्यता दी थी। जापान ने अंडमान व निकोबार द्वीप इस अस्थायी सरकार को दे दिये। नेताजी उन द्वीपों में गये और उनका नया नामकरण किया। 1944 को आज़ाद हिंद फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया। कोहिमा का युद्ध 4 अप्रैल 1944 से 22 जून 1944 तक लड़ा गया एक भयंकर युद्ध था। इस युद्ध में जापानी सेना को पीछे हटना पड़ा था और यही एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ। 6 जुलाई 1944 को उन्होंने रंगून रेडियो स्टेशन से महात्मा गांधी के नाम एक प्रसारण जारी किया जिसमें उन्होंने इस निर्णायक युद्ध में विजय के लिये उनका आशीर्वाद और शुभकामनाएँ माँगीं।

नेताजी की मृत्यु को लेकर आज भी विवाद है। जापान में प्रतिवर्ष 18 अगस्त को उनका शहीद दिवस धूमधाम से मनाया जाता है। सुभाषचन्द्र बोस की 128वीं जन्म जयन्ती मनाते हुए भारत को भारतीयता की नजर से देखना और समझना जरूरी है। ये आज जब हम देश की स्थिति देखते हैं तो और स्पष्ट रूप से समझ पाते हैं कि स्वतंत्र भारत के बाद के दशकों में अगर देश को सुभाष बाबू, सरदार पटेल जैसे व्यक्तित्वों का मार्गदर्शन मिला होता, भारत को देखने के लिए विदेशी चश्मा नहीं होता तो स्थितियां बहुत भिन्न होतीं एवं सशक्त भारत का निर्माण होता।

संपादकीय

अमेरिका की सारी नीतियां

यूं भी अमेरिका की सारी नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही समाप्त हो जाती हैं। लेकिन जब ट्रंप जैसा अप्रत्याशित व अमेरिका फर्स्ट का जयकारा लगाने वाला राष्ट्रपति सत्तासीन हो, तो दुनिया सांसत में ही रहेगी। शपथ ग्रहण के बाद जिस तरह असहज करने वाले कार्यकारी आदेश जारी किए गए, ये उसी की आहट है। लगता है अमेरिका के लिये स्वर्णयुग लाने का दावा करने वाले ट्रंप को लोकतांत्रिक मूल्यों, दुनिया की सेहत और वैश्विक पर्यावरण संरक्षण से कोई सरोकार नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी जाने वाली बड़ी अमेरिकी मदद से हाथ पीछे खींचकर उन्होंने अपने मंसूबे जताए हैं। विश्व को ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध पेरिस जलवायु समझौते से भी किनारा कर उन्होंने अपने इरादे जाहिर किए हैं। यह जानते हुए भी कि बीता साल दुनिया में अब तक का सबसे गर्म साल रहा था। यहां तक कि इन प्रभावों से पिछले दिनों लॉस एंजिल्स की भयावह आग ने अमेरिका के दरवाजे पर पिछले दिनों दस्तक दी है। वहीं दूसरी ओर तमाम आर्थिक मुश्किलों से जूझते व बेहतर भविष्य की तलाश में अमेरिका का रुख करने वाले प्रवासी उनके लिये दुश्मन नंबर वन हैं। जिनको रोकने के लिये अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार बनाना उनका महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। वे लाखों अवैध प्रवासियों को अमेरिका से खदेड़ने की बात बार-बार कहते हैं। वहीं अमेरिका फर्स्ट की नीति के चलते वे चीन समेत अन्य विकासशील देशों पर अंधाधुंध टैरिफ लगाकर मुनाफे का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में झुकाने पर अड़े हैं। यहां तक कि उन्होंने ब्रिक्स देशों को चेताया है कि यदि डॉलर के मुकाबले वैकल्पिक मुद्रा चलन में लाने का प्रयास किया गया तो वे भारत,रूस व चीन आदि पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। विशेष रूप से चीन उनके निशाने पर है, जो अमेरिका के नंबर एक दावे को चुनौती देने की क्षमता रखता है। दुनिया के तमाम देशों को उनके बड़बोले बयानों के मद्देनजर मुश्किल समय हेतु तैयार रहना चाहिए। दरअसल, केवल विकासशील व तीसरी दुनिया के देश ही नहीं, बल्कि ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा के बयानों को लेकर यूरोपीय देशों में ट्रंप को लेकर खासी नाराजगी नजर आ रही है। पनामा नहर का प्रबंधन हासिल करने के बयानों पर भी तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कभी वे कनाडा को अमेरिका में शामिल करने के दावे करते हैं। आते ही कनाडा पर टैरिफ बढ़ाकर उन्होंने अपने मंसूबे जाहिर किए हैं। पिछले कुछ वर्षों में महामारी के प्रभावों से उबरते हुए तमाम बीमारियों से जूझते विश्व को ट्रंप ने बड़ा झटका दिया है। मानवता के कल्याण को समर्पित डब्ल्यूएचओ की आर्थिक मदद बंद करने से विकासशील व गरीब मुल्कों का स्वास्थ्य तंत्र अब भगवान भरोसे रह जाएगा। यदि विश्व में फिर किसी महामारी की दस्तक होती है तो पूरी दुनिया में स्थितियां गंभीर होंगी। विश्व के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में यूं पूंजीवादी सोच व नीतियों का वर्चस्व बेहद चिंता की बात है। जिस बात की चिंता पिछले दिनों निवर्तमान राष्ट्रपाति जो बाइडेन भी जता चुके हैं। लेकिन उग्र राष्ट्रवाद के खुमार में डूबे अमेरिकी कुछ सुनने को तैयार नहीं हैं।

आज़ादी के महानायक सुभाष चंद्र बोस

(लेखक- हर्षवर्धन पाण्डे)

(23 जनवरी पराक्रम दिवस पर विशेष)

सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे। उनका नाम भारतीय आज़ादी के संघर्ष सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। वे न केवल भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता थे, बल्कि अपनी संघर्षशीलता के चलते दुनिया भर में प्रेरणा के स्रोत बने। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने न केवल भारतीय स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए बल्कि एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जिन्होंने अपनी नीतियों, साहस और समर्पण से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक, उड़ीसा में एक प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माता का नाम प्रभावती देवी था। वे परिवार के नौवें और अंतिम संतान थे। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा पूरी कर सुभाष ने 1915 में बीमारी के बावजूद इंटरमीडिएट परीक्षा दी और द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की जिसके बाद 1919 में बी.ए. आनर्स प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर कलकत्ता विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अपनी अध्ययनशीलता के कारण वह कालेज में हमेशा अव्वल दर्जे के छात्र रहे। उन्होंने इंग्लैंड में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। भारत माता को ब्रिटिश शासन सत्ता से मुक्ति के लिए हुए स्वाधीनता संघर्ष में भाग लिया। छात्र जीवन में ही सुभाष ने विवेकानन्द साहित्य का अध्ययन कर लिया था जिसने उन्हें राष्ट्रीय चेतना से समृद्ध किया और चिंतन-मनन करने की सुदृढ़ जमीन दी। पुत्र को आईसीएस बनाने की पिता की इच्छा का मान रखते हुए सुभाष 1919 में ब्रिटेन के लिए रवाना हुए और आईसीएस परीक्षा न केवल उत्तीर्ण की बल्कि अंग्रेजों की चाकरी को स्वीकार न कर भारत माता की सेवा-साधना का पथ अंगीकार किया। सेवा से त्यागपत्र देकर जून 1921 में भारत वापस आकर राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लिया।

वे चित्तरंजन दास की स्वराज पार्टी से जुड़े और फारवर्ड समाचार पत्र का संपादन भी किया। 1923 में उन्हें अखिल भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। उनके क्रांतिकारी आन्दोलनों के चलते उन्हें 1925 में मांडले जेल भी भेजा गया जहाँ उन्हें तपेदिक की बीमारी हो गई थी। 1938 में बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उस दौर को याद करें तो सुभाष की लोकप्रियता जबरदस्त रही। कांग्रेस के 51वें अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में दिया गया उनका भाषण दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाषणों में शुमार किया जाता है। कांग्रेस में सुभाष के बढ़ते प्रभाव से कुछ वषों में ही कांग्रेस के अन्दर के नेताओं का प्रभामंडल कमजोर होने लगा। इस दौर में गांधी जी से उनका मतभेद भी हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि 1939 के त्रिपुरा अधिवेशन में अध्यक्ष के मनोनयन की परम्परा के उलट कांग्रेस को चुनाव करवाना पड़ा। देश और कार्यकर्ताओं की पहली पसंद सुभाष थे लेकिन गांधी जी ने अपने प्रत्याशी के रूप में पट्टाभि सीतारमैया को सुभाष के विरुद्ध खड़ा कर जिताने की अपील की किन्तु सुभाष ने सीतारमैया को पराजित कर दिया जिस पर गांधी जी इस टिप्पणी कि सीतारमैया की हार मेरी हार है। सक्रिय सुभाष बहुत दुखी हुए और उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा दे दिया। उन्होंने 1928 में नेशनल कांग्रेस के महासचिव के रूप में कार्य किया लेकिन उनकी नीतियों से असहमति होने पर वे कांग्रेस से अलग हो गए। विदेश प्रवास के दौरान सुभाष ने कांग्रेस के भीतर फारवर्ड ब्लॉक बनाकर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया तब उन्हें कांग्रेस से निकाल दिया गया।

बापू के सुझाव पर सुभाष कोलकता आकर देशबंधु जी के साथ काम करने लगे। दास ने कोलकता महापालिका का चुनाव लड़ा और जीत अर्जित कर महापौर बने। तब उन्होंने सुभाष को महापालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया। यहां पर सुभाष ने की कार्यशैली ने सबका दिल जीत लिया और जनता के दिलों में अलहदा पहचान बनाने में सफलता हासिल की। आजादी की लड़ाई के दौरान वह 11 बार जेल भी गए। 1933 से 1936 तक जब स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए वे यूरोप में रहना रहे तो मुसोलिनी और आयरलैण्ड के नेता डी. बलेरा से भेंट कर सहयोग का वचन लिया। आस्ट्रिया में चिकित्सा प्राप्त करने के दौरान पुस्तक लिखने हेतु टाईपिस्ट एमिली शेंकेल से प्रभावित हुए और उनसे विवाह कर लिया। हालाँकि अपनी राजनीतिक छवि को ठेस न पहुंचे इसलिए उन्होनें इस रिश्ते को बड़ा गोपनीय रखा। 29 नवम्बर 1942 को अनीता बोस के रूप में उन्हें पुत्री मिली जिससे वे कभी मिल नहीं सके। जनवरी 1941 में नजरबंदी के दौरान ही ब्रिटिश पुलिस और जासूसों को चकमा देकर वे जर्मनी पहुंचे। हिटलर एवं जर्मनी के अन्य नेताओं से भेंट कर आजाद हिन्द रेडियो की स्थापना की। वहां से जापान पहुंच कर जनरल तोजो से भेंट की और जापानी संसद को सम्बोधित किया। जापान के सहयोग से रासबिहारी बोस के मार्गदर्शन में आजाद हिन्द फौज का गठन कर सिपाहियों और नागरिकों का आह्वान किया कि तुम मूझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर में टाउन हॉल के सामने आजाद हिन्द फौज के सम्मुख ओजस्वी भाषण देते हुए पहली बार दिल्ली चलो का नारा दिया था। उनकी फौज ने बर्मा, कोहिमा, इम्फाल के मोर्चे पर अंग्रेजी सेना से मुकाबला कर दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए। नेताजी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जर्मनी के बर्लिन में फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना के साथ ही आज़ाद हिन्द रेडियो की भी शुरुआत की। इस रेडियो के माध्यम से आज़ादी के आंदोलन से जुड़े समाचार और कार्यक्रम प्रसारित किये जाते थे। अंग्रेजी सरकार सुभाष चन्द्र बोस से इतनी भयभीत थी कि सुभाष और आजाद हिन्द फौज के विरुद्ध दुष्प्रचार करने हेतु एक एंटी इंडिया रेडियो की स्थापना की थी। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाष ने आजाद हिन्दुस्तान की अंतरिम सरकार बनाई जिसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और युद्धमंत्री का दायित्व स्वयं निर्वहन किया। इस आजाद हिन्द सरकार को जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, आयरलैण्ड आदि देशों ने मान्यता प्रदान की थी। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद सुभाष आजादी की लड़ाई हेतु आवश्यक संसाधन जुटाने हेतु रूस जाने का निश्चय कर 18 अगस्त 1945 को हवाई जहाज से निकले किन्तु रास्ते में ही वे लापता हो गये।

(चिंतन-मनन)

जैसा सोचेंगे वैसा ही फल मिलेगा

यदि आपका मन प्रसन्न नहीं है तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप स्वंय हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दु- ख से कोई संबध नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्रों में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मन?।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं।

वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दु?खी होता है और प्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

विचार मंथन

ट्रंप के निर्णय से भारत सहित दुनिया के देशों में हड़कंप

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका और चीन दुनिया की नई महाशक्ति?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेने के बाद 78 निर्णय लिए हैं। उससे भारत सहित दुनिया के कई देशों में हड़कंप मच गया है। भारत में इसका सबसे बड़ा असर देखने को मिल रहा है। अमेरिका की टेक कंपनियों और अन्य क्षेत्र में एच1 वीजा लेकर भारतीय समुदाय लाखों की संख्या में पिछले कई दशकों से अमेरिका में रह रहा है। उनके बच्चे अमेरिका में जन्मे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस समझौते को अमान्य करते हुए जन्म से नागरिक अधिकार की संवैधानिक व्यवस्था अमेरिका में समाप्त कर दी है। इसका सबसे बड़ा नुकसान भारतीय समुदाय को होने जा रहा है। अवैध प्रवासियों को लेकर जो निर्णय डोनाल्ड ट्रंप ने लिया है, उसमें 7 लाख से अधिक अप्रवासी भारतीय जो अवैध तरीके से अमेरिका में हैं उनके लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अवैध प्रवासियों को पकड़ कर उनके देश वापस भेजने के आदेश किए हैं। अमेरिका में जो अवैध भारतीय प्रवासी रह रहे हैं, उनमें लाखों गुजरात से गए हुए नागरिक हैं। जो अवैध रूप से अमेरिका में घुसे थे। अमेरिका में रह रहे भारतीय प्रवासियों के जिन बच्चों ने अमेरिका में जन्म लिया है, उनकी नागरिकता भी अब खतरे में पड़ गई है। यदि अमेरिका में उनकी नागरिकता नहीं होगी, तो वह किस देश के नागरिक कहलाएंगे? यह भी एक बड़ा प्रश्न चिन्ह अमेरिकी नागरिको के बच्चों पर खड़ा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ने अपने नाम से क्रिप्टोकरेंसी लांच की है। इसको लेकर भी दुनिया के देशों में हड़कंप मचा हुआ है। क्रिप्टोकरेंसी लांच करने की घोषणा करने के बाद क्रिप्टोकरंसी की कीमतों में 24000 फ़ीसदी का बाजार में उछाल देखने को मिला है। जीरो से शुरू हुई इस क्रिप्टोकरंसी का मूल्य 4 घंटे के अंदर 13 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसका सबसे ज्यादा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। भारतीय शेयर बाजार 1350 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने निर्णय में विश्व स्वास्थ्य संगठन से अपनी भागीदारी अलग करने की घोषणा की। डब्ल्यूएचओ में सबसे ज्यादा भागीदारी अमेरिका की होती थी। अमेरिका के बाहर निकलने से इसका असर दुनिया के अन्य देशों पर बड़ी तेजी के साथ पड़ेगा। अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन में 29 फ़ीसदी की भागीदारी अमेरिका की सरकार और मेलिंडा गेट्स फाउंड की होती थी। डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले से एचआईवी टीवी, महामारी इत्यादि में अमेरिका 75 फ़ीसदी तक की सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन को देता था। ट्रंप के इस निर्णय से दुनिया के विकासशील और गरीब देशों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिका ने 2023 में 11117 करोड़ रुपए की सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन को जब इतनी बड़ी सहायता नहीं मिलेगी तो दुनिया में स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या हो सकता है, इसे आसानी से समझा जा सकता है। भारत के साथ डोनाल्ड ट्रंप के रिश्ते अब पहले की तरह नहीं रहे। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें अपना एक अच्छा दोस्त बताते रहे हैं। उनके पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए भी गए थे। दूसरी बार शपथ लेने के बाद जिस तरह से वह भारत के खिलाफ फैसला कर रहे हैं। उसे विश्व राजनीति में एक नए बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने ब्रिक्स देश के संगठन में डॉलर मुद्रा का विरोध किया था। पिछले 11 वर्षों से जो भारत की विदेश नीति है। उसको लेकर भारत के अमेरिका, रूस और चीन के संबंध पहले की तुलना में विश्वसनीय नहीं रहे। भारत ने केवल व्यापारिक दृष्टि से अपने रिश्ते तैयार किए हैं। जिसके कारण आज भारत-रूस से भी दूर हो गया है। अमेरिका का भी नजदीकी नहीं बन पाया है। चीन के साथ सीमा विवाद में भारत फंसा हुआ है। दुनिया में अब महाशक्तियों के बीच एक नया गठबंधन बनता हुआ दिख रहा है। ट्रंप ने कैबिनेट में एलन मस्क को शामिल किया है। उनके चीन के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। उनकी कई यूनिट चीन में लगी हुई है। इस बार ट्रंप का रुख चीन को लेकर बदला हुआ है। उन्होंने शपथ लेने के पहले और शपथ लेने के बाद चीन के राष्ट्रपति से फोन पर चर्चा की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएलआई : एसी-एलईडी लाइट्स बनाने वाली 24 कंपनियों का चयन, 3,516 करोड़ का करेंगी निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। व्हाइट गुड्स के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट्स बनाने वाली 24 कंपनियों का चयन किया गया है। इन कंपनियों ने 3,516 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

तीसरे दौर में मिले 38 आवेदन– वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, पीएलआई योजना के ऑनलाइन आवेदन के तीसरे दौर में 38 आवेदन मिले। आवेदनों पर विचार के बाद 18 नई कंपनियां चुनी गईं। इनमें एसी कंपोनेंट बनाने वाली 10 और आठ एलईडी लाइट्स निर्माता कंपनियां शामिल हैं। इन्होंने 2,299 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, छह मौजूदा लाभार्थी कंपनियों को उच्च निवेश श्रेणियों में अपग्रेड

करने के लिए अस्थायी रूप से चुना गया है।

इसके लिए 1,217 करोड़ का अतिरिक्त निवेश होगा। कुल मिलाकर, इन वस्तुओं के लिए योजना के तहत 84 कंपनियां 10,478 करोड़ का निवेश लाने वाली हैं। इससे 1,72,663 करोड़ मूल्य का उत्पादन होगा। अक्तूबर, 2024 में तीसरे दौर में 38 कंपनियों ने 4,121 करोड़ के निवेश प्रस्ताव के साथ आवेदन किया था।

देश में ही बनेंगे कलपुर्जे– एसी के लिए कम्प्रेसर, कॉपर ट्यूब व हीट एक्सचेंजर जैसे कंपोनेंट अब देश में ही बनेंगे।?एलईडी लाइट्स के लिए एलईडी चिप पैकेजिंग, लाइट मैनेजमेंट सिस्टम व कैपेसिटर के लिए मेटलाइज्ड फिल्म का विनिर्माण भी होगा।

संक्षिप्त समाचार

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड- 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीने के लिए वित्तीय परिणाम

मुंबई, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक ने क्यू3 एफवाय25 के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। क्यू3 एफवाय25 के लिए शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत की मजबूत वायओवाय वृद्धि के साथ 1,908 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,802 करोड़ रहा। एनआईएम 5.17 प्रतिशत और शुद्ध ब्याज आय 23 प्रतिशत की वायओवाय वृद्धि करते हुए 4,228 करोड़ दर्ज हुई। क्यू3-2025 में जमा की लागत 4.63 प्रतिशत रही, जो क्यू3-2024 में 4.34 प्रतिशत थी। सीआरएआर 166 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि के साथ 21.98 प्रतिशत रहा। क्यू3-2025 के लिए संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) 29 बीपीएस वृद्धि के साथ 1.99 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो क्यू3-2024 में 1.70 प्रतिशत था। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 20.13 प्रतिशत रहा (56 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि)। शुद्ध एनपीए 0.18 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 0.34 प्रतिशत था। सकल एनपीए 3.57 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 4.69 प्रतिशत था। पीसीआर 99.47 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 99.17 प्रतिशत था।

सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन: सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की प्रेरक कहानी ने शार्क्स को किया प्रभावित!

मुंबई, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया में शांतिलाल जे. सावनी अपने परिवार के सदस्यों, राम और जगरूत के साथ अपनी पारिवारिक विरासत सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन को पेश करने के लिए तैयार हैं। इस पिच में परंपरा और दृढ़ता की झलक मिलेगी। मुंबई में स्थित यह व्यवसाय तीन पीढ़ियों से भारत के सांस्कृतिक धरोहर स्मारकों के संरक्षण में जुटा है। इस ऐतिहासिक सफर की शुरुआत शांतिलाल ने एक साधारण राजमिस्त्री के रूप में की थी। उनके विज़न और कारीगरी को परिवार ने आगे बढ़ाया और आज सावनी परिवार हेरिटेज रेस्टोरेशन समुदाय में सबसे सम्मानित नामों में से एक बन चुका है। सावनी परिवार की महत्वाकांक्षा उनकी विरासत जितनी भव्य है–वर्ष 2030 तक 1,000 स्मारकों को संरक्षित करने का लक्ष्य। पारंपरिक तकनीकों और टिकाऊ सामग्रियों में अपनी महारत के बल पर, उन्होंने अब तक 300 स्थलों का सफलतापूर्वक पुनर्निर्माण किया है, जिनमें मुंबई का प्रतिष्ठित ओपेरा हाउस भी शामिल है। अपनी प्रोजेक्ट्स की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए वे खुद टाइल्स, ईंटें और अन्य सामग्री तैयार करते हैं। शार्क टैंक इंडिया पर उनका पिच देना वाकई प्रेरणादायक रहा।

इंडिया असिस्ट ने महाकुम्भ 2025 तथा राज्य में टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटरों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ की साझेदारी

लखनऊ, एजेंसी। यात्रा में सहायता प्रदान करने वाले टेक-इनेबल्ड लीडर इंडिया असिस्ट ने महाकुम्भ 2025 के दौरान और इसके बाद भी लाखों यात्रियों को यात्रा का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत इंडिया असिस्ट प्रयागराज में महाकुम्भ क्षेत्र में टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटर (पर्यटन जानकारी केन्द्र) संचालित कर रहा है, साथ ही इस तरह के टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटर रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे पर भी स्थापित किए गए हैं। श्री हरीश खत्री, संस्थापक, इंडिया असिस्ट ने इस साझेदारी पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''भारत विभिन्न अनुभवों और संस्कृति के खजाने का देश है और महाकुम्भ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का अविश्वसनीय संगम है। इस साझेदारी के माध्यम से हम चाहते हैं कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालु आत्मविश्वास के साथ मेले का सहज अनुभव पा सकें। आधुनिक टेक्नोलॉजी और मानवीय सहयोग के साथ हम सुनिश्चित करते हैं कि हर आगंतुक को यात्रा के दौरान हर ज़रूरी मार्गदर्शन और सहयोग मिले।

अब गो फर्स्ट नहीं भरेगी उड़ान, संपत्तियां बेचकर चुकाएगी कर्ज; 54 विमानों का पंजीकरण रद्द

नईदिल्ली, एजेंसी। जेट एयरवेज के बाद वित्तीय संकट में फंसी विमानन कंपनी गो फर्स्ट भी अब उड़ान नहीं भर सकेगी। राष्टीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को 17 साल तक करोड़ों लोगों को हवाई सफर कराने वाली गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया है। इसका मतलब है कि कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर कर्ज चुकानी होगी। वित्तीय समस्याओं के कारण विमानन कंपनी ने मई, 2023 में स्वैच्छिक रूप से दिवालिया समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था। गो फर्स्ट का परिचालन तीन मई, 2023 यानी करीब दो साल से बंद है।

एनसीएलटी ने 15 पन्नों के आदेश में कहा, वह कंपनी गो एयरलाइंस (इंडिया) लि. के परिसमापन का आदेश दे रहा है। अब कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) को अपने गठन के बाद और समाधान योजना की पुष्टि से पहले किसी भी समय गो फर्स्ट के परिसमापन का निर्णय लेने का अधिकार है।

एनसीएलटी ने कहा, कॉरपोरेट देनदार के परिसमापन के प्रस्ताव को सीओसी ने 100 फीसदी वोटिंग के साथ मंजूरी दी थी। इसलिए, सीओसी के वाणिज्यिक विवेक में हस्तक्षेप करने की कोई योग्यता नहीं दिखती है। इससे दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर, 2024 को दिवालिया कार्यवाही मामले में बड़ा फैसला देते सुनाते हुए जेट एयरवेज के परिसमापन का आदेश दिया था। जेट एयरवेज ने आखिरी बार अप्रैल, 2019 में उड़ान भरी थी।

परिसमापक नियुक्त, 75 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

एनसीएलटी ने दिनकर तिरुवनंदपुरम वेंकटसुब्रमण्यम को परिसमापक (लिक्विडेटर) नियुक्त किया है, जिन्हें कॉरपोरेट देनदार के वित्तीय मामलों की जांच जारी रखने के लिए कहा गया है। आदेश के मुताबिक, परिसमापक को परिसमापन प्रक्रिया के दौरान उनके निपटान के लिए लंबित आवेदनों का भी पालन करना होगा। परिसमापन को 75 दिन के भीतर एनसीएलटी को एक प्रारंभिक रिपोर्ट देनी होगी।

आगे नहीं बढ़ पाई कर्ज समाधान प्रक्रिया

दिवालिया समाधान प्रक्रिया के दौरान कम-से-कम दो बोलीदाता स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह के साथ बिजी बी एयरवेज और शारजाह स्थित विमानन कंपनी स्काई वन सामने आए थे। यात्रा पोर्टल ईजमाईट्रिप के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी बिजी बी एयरवेज में बहुलांश शेयरधारक हैं। हालांकि, कर्ज समाधान प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसके बाद एनसीएलटी ने गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया है।

54 विमानों का पंजीकरण रद्द

दिवालिया प्रक्रिया के दौरान नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गो फर्स्ट के 54 विमानों का पंजीकरण भी रद्द कर दिया। विमानन कंपनी ने 2005-06 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए पहली उड़ान के साथ घरेलू परिचालन शुरू किया था। 2018-19 में अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू की थी।

आईपीओ से पहले टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो आने वाले दिनों में टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में है। हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कंपनी अगले फाइनेंशियल ईयर में आईपीओ से पहले टैरिफ बढ़ा सकती है। कंपनी ने पिछले साल जून में टैरिफ में 25 फीसदी इजाफा किया था। इसे लिस्टिंग से पहले 5जी सर्विसेज को मॉनीटाइज करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि रिलायंस जियो का आईपीओ इस फाइनेंशियल ईयर में आ सकता है। उससे पहले कंपनी अपना एवरेज रेवेन्यू पर यूजर बढ़ाना चाहती है। कंपनी के करीब 48 करोड़ सब्सक्राइबर हैं।

हालांकि सूत्रों ने कहा कि रिलायंस जियो इस बार टैरिफ में पिछली बार की तरह बड़ी बढ़ोतरी नहीं करेगी। यह बढ़ोतरी केवल प्रीमियम कैटगरी तक ही सीमित रह सकती है ताकि कंपनी का सब्सक्राइबर बेस प्रभावित न हो। पिछले साल जून में टैरिफ में बढ़ोतरी के बाद दूसरी तिमाही में कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या में गिरावट आई थी जबकि तीसरी तिमाही में 13 लाख सब्सक्राइबर बढ़े। दिसंबर तिमाही में कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या 48.2 करोड़ थी।

कब आएगा आईपीओ– इससे पहले खबर आई थी कि रिलायंस जियो के आईपीओ की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कंपनी का आईपीओ 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक इसमें ऑफर ऑफ सेल के साथ-साथ ताजा शेयर भी जारी किए जाएंगे। यह आईपीओ साल की दूसरी छमाही में आ सकता है। कंपनी में विदेशी निवेशकों की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिलायंस ने साल 2020 में अबू धाबी इनवेस्टमेंट फंड, केकेआर, मुबादला और सिल्वर लेक जैसे विदेशी फंड्स से 18 अरब डॉलर जुटाए थे। कई ब्रोकरेज का कहना है कि रिलायंस जियो की वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर हो सकती है। लेकिन कंपनी की नजर 120 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर है।

क्यू3 रिजल्ट के बाद रॉकेट बना कंपनी का शेयर, बदहाली में किया मालामाल

नईदिल्ली, एजेंसी। सनटेक रिएल्टी के शेयरों में आज 11 प्रतिशत से अधिक तेजी देखने को मिली है। बीएसई में कंपनी के शेयर बढ़त के साथ 535.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 11.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी 546 रुपये के लेवल पर खुला था। बता दें, कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह मजबूत तिमाही नतीजों को माना जा रहा है।

रेवन्यू में 281 प्रतिशत की उछाल– दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 162 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के रेवन्यू में 281 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 42 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी में 426

प्रतिशत का इजाफा हुआ था। टैक्स भुगतान के बाद कंपनी का प्रॉफिट 537 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर तिमाही में कंपनी का पैट 43 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, एक साल पहले दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट लॉस 10 करोड़ रुपये का रहा था।

कंपनी का प्री-सेल्स सालाना आधार पर 40 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर तिमाही में प्री सेल्स 635 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले दिस दिसंबर तिमाही में प्री सेल्स 455 करोड़ रुपये रहा था।

एमेजॉन एमएक्स प्लेयर को सर्वश्रेष्ठ ओटीटी सुपरहिट जोड़ी का ताज पहनाया

मुंबई। हाल ही में एमेजॉन द्वारा एमएक्स प्लेयर की प्रमुख परिसंपत्तियाँ के अधिग्रहण के बाद, यह सेवा भारत में मुफ्त मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें असाधारण पहुंच और विशाल कंटेंट लाइब्रेरी शामिल है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने पिछले सप्ताहांत एक रोमांचक अभियान शुरू किया, जिसमें यह बताया गया कि एमेजॉन और एमएक्स प्लेयर की जोड़ी स्ट्रीमिंग क्षेत्र में सुपरहिट जोड़ी है।

टाटा पावर ने ओडिशा में अत्याधुनिक विद्युत वितरण प्रौद्योगिकी केंद्र शुरू किया

भुवनेश्वर , एजेंसी। टाटा पावर और ओडिशा सरकार के संयुक्त उद्यम टीपीसीओडीएल ने आज भुवनेश्वर में एक अत्याधुनिक विद्युत वितरण प्रौद्योगिकी केंद्र का अनावरण किया है। वितरण नेटवर्क प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता में यह एक बहुत बड़ा परिवर्तनकारी कदम है।इस केंद्र का उद्घाटन ओडिशा सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री के.वी. सिंह देव ने किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव, ओडिशा सरकार, श्री मनोज आहूजा; सीईओ और एमडी, टाटा पावर, डॉ प्रवीर सिन्हा; अध्यक्ष टीएंडडी, श्री संजय बंगा; टाटा पावर के नेतृत्व वाली ओडिशा डिस्कॉम - टीपीसीओडीएल, टीपीएसओडीएल, टीपीडब्ल्यूओडीएल और टीपीएनओडीएल के सीईओ और सरकार और टाटा पावर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी केंद्र उन्नत परिचालन प्रौद्योगिकी (ओटी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणालियों को 24×7 पावर सिस्टम कंट्रोल सेंटर (पीएससीसी) के साथ एकीकृत करता है। यह राज्य भर में निर्बाध संचालन सुनिश्चित करते हुए बिजली वितरण नेटवर्क के लचीलापन को सुधारने में मदद करेगा।

उद्घाटन के अवसर पर ओडिशा के माननीय उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री श्री के.वी. सिंह देव ने कहा, बिजली वितरण प्रौद्योगिकी केंद्र ओडिशा को वितरण उत्कृष्टता का केंद्र बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्नत बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकियों के साथ, यह केंद्र राज्य के लिए विश्वसनीय बिजली सुनिश्चित

करता है। यह भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा इकोसिस्टम के लिए हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है जो उपभोक्ताओं और उद्योगों दोनों का समर्थन करता है। मैं ओडिशा में बिजली वितरण को मज़बूत करने के लिए टाटा पावर की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं। इस केंद्र में उन्नत वितरण प्रबंधन प्रणाली है, ताकि बढ़ी हुई नेटवर्क विश्वसनीयता और सटीक परिचालन नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक परिसंपत्ति प्रबंधन और उपभोक्ता इंडेक्सिंग को सुव्यवस्थित करती है, जबकि उपयोगिता डेटा स्ट्रीम जीआइएस, बिलिंग और मीटर प्रबंधन के निर्बाध एकीकरण के माध्यम से ऊर्जा ऑडिट को स्वचालित करती है। मौसम की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और सैटेलाइट कम्युनिकेशन कनेक्टिविटी और परिचालन निरंतरता को और मज़बूत करते हैं।

वोक्हार्ट हॉस्पिटल, नागपुर के न्यूरोसर्जन ने पहली बार दुर्लभ स्पाइन विकार से पीड़ित बच्चे की मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग-गाइडेड सर्जरी की

सतना, एजेंसी। नागपुर क्षेत्र में जटिल पेडियाट्रिक स्पाइन विकृति के लिए पहली बार मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग गाइडेड सर्जरी सफलतापूर्वक की गई, जो उन्नत न्यूरोलॉजिकल उपचार में महत्वपूर्ण साबित हुई। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने वोक्हार्ट सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स, नागपुर को मध्य भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार का प्रमुख केंद्र बना दिया है। एक 3 साल के बच्चे को चलने में कठिनाई और मल/मूत्र पर नियंत्रण खोने की शिकायत के साथ वोक्हार्ट हॉस्पिटल लाया गया। उसके रीढ़ की हड्डी में असामान्य झुकाव (जिसे स्कोलियोसिस कहा जाता है) और दोनों पैरों में ऑर्थोपेडिक विकृति (बायलैटरल क्लब फीट) भी थी। उसकी एमआरआई और सीटी स्कैन से एक जटिल असामान्यता का पता चला, जिसमें रीढ़ की हड्डी दो भागों में विभाजित थी और इसके बीच एक हड्डी की नोक थी और निचले हिस्से में फैटी ट्यूमर था और रीढ़ की हड्डी का निचला सिरा सामान्य से नीचे स्थित था। इस विकृति को डायस्टेमेटोमाइलिया विद हेमिकॉर्ड एंडिंग इनटू कंटिग्यूस डोर्सल लिपोमा एंड टेथर्ड फिलम टर्मिनाले विद फैटी इन्फिल्ट्रेशन कहा जाता है, (यानी डायस्टेमेटोमाइलिया जिसमें हेमीकॉर्ड का अंत सन्निहित पृष्ठीय लिपोमा और फैटी इन्फिल्ट्रेशन के साथ टेथर्ड फिलम टर्मिनल में होता है) जो एक बहुत ही दुर्लभ विकार है।

आईआईएम रायपुर ने युवासंगम चरण-5 के तहत असम के लिए छत्तीसगढ़ प्रतिनिधिमंडल के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का किया सफल समन्वय

रायपुर , एजेंसी। भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने असम विश्वविद्यालय, सिलचर के सहयोग से भारत सरकार की प्रमुख पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवासंगम चरण-5 के अंतर्गत पांच दिवसीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल के तहत छत्तीसगढ़ के 45 छात्रों को असम में एक व्यापक सांस्कृतिक और शैक्षिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला, जिससे विविधता में एकता की भावना को प्रोत्साहित किया गया और जन-से-जन संपर्क को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम की शुरुआत असम विश्वविद्यालय, सिलचर में गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई, जहाँ छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों ने संवादात्मक सत्रों, परिसर भ्रमण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम के सफल समापन पर बोलते हुए भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार ककानी ने कहा, यह आदान-प्रदान कार्यक्रम छत्तीसगढ़ और असम के बीच एकता और साझा विकास की भावना का प्रतीक है।

शिखर धवन और ओरी ने एमेजॉन एमएक्स प्लेयर को सर्वश्रेष्ठ ओटीटी सुपरहिट जोड़ी का ताज पहनाया और इसके नवाचारी ब्रांड अभियान के लिए साथ मिलाकर काम किया

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में एमेजॉन द्वारा एमएक्स प्लेयर की प्रमुख परिसंपत्तियाँ के अधिग्रहण के बाद, यह सेवा भारत में मुफ्त मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें असाधारण पहुंच और विशाल कंटेंट लाइब्रेरी शामिल है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने पिछले सप्ताहांत एक रोमांचक अभियान शुरू किया, जिसमें यह बताया गया कि एमेजॉन और एमएक्स प्लेयर की जोड़ी स्ट्रीमिंग क्षेत्र में सुपरहिट जोड़ी है। इस अभियान में मशहूर क्रिकेटर शिखर धवन और सोशल मीडिया सेंसेशन ओर्री को एक मजेदार अभियान के लिए साथ लाया गया।

अभियान पर अपने विचार साझा करते हुए, अरुणा दरयानानी, हेड - मार्केटिंग, प्रोडक्ट और टेक, अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने कहा, हमारा नवीनतम अभियान सभी भारतीयों को मुफ्त में प्रीमियम गुणवत्ता वाला कंटेंट उपलब्ध कराने के अमेज़न एमएक्स प्लेयर के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। क्रिकेट आइकन शिखर धवन और सोशल मीडिया सेंसेशन ओर्री को साथ लाकर, हमारा उद्देश्य हमारी विशाल कंटेंट लाइब्रेरी को उजागर करना है, जिसे देश भर के दर्शक बिना किसी लागत के आनंद ले सकते हैं! यह अभियान अच्छे भाव को प्रस्तुत करता है तथा बेहतरीन विषय-वस्तु, नवीन विपणन और रणनीतिक साझेदारियों की पेशकश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिखर धवन ने इस अभियान का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मनोरंजन में, क्रिकेट की तरह, लोगों को एक साथ लाने की ताकत होती है। इस अभियान के लिए अमेज़न एमएक्स प्लेयर के साथ सहयोग करना बेहद आनंददायक था। शिखर × ऑरी स्पॉट की ऊर्जा और मज़ा कॉन्टेजियस हैं। यह देखकर अद्भुत लगता है कि एमेजॉन एमएक्स प्लेयर लाखों भारतीयों के लिए मुफ्त मनोरंजन को नए रूप में परिभाषित कर रहा है, और इस यात्रा का हिस्सा बनकर मैं बेहद रोमांचित हूं।

ओरी ने साझा किया, इस कैंपेन का हिस्सा बनना वाकई शानदार अनुभव था। शिखर × ओरी स्पॉट के लिए शिखर के साथ जोड़ी बनाना वास्तव में जोड़ी की वाइब्स को सामने लाता है और इसका कॉन्सेप्ट बहुत ही नया और मज़ेदार है। एमेजॉन एमएक्स प्लेयर सचमुच कुछ अनोखा पेश कर रहा है, और मैं दर्शकों को इस अभियान और इसके अद्भुत कंटेंट से जुड़ते हुए देखने के लिए बहुत उत्साहित हूँ।

दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की नो माही के लिए शानदार आय की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड जो अपनी उत्पाद श्रृंखला को चीनी से परे बढ़ाकर सतत ऊर्जा और इथेनॉल समाधानों में विस्तार कर रही है, ने 18 जनवरी 2025 को आयोजित बोर्ड बैठक में 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए कंपनी के अनऑडिटेड फाइनैन्शल रिजल्ट को मंजूरी दी।

दिसंबर की तिमाही के लिए कुल आय बढ़कर 7,358.37 लाख हो गई, जो 3,977.63 लाख (वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही) थी, जो मुख्य रूप से संचालन से राजस्व में तेज वृद्धि के कारण हुई, जो 3,932.93 लाख से बढ़कर 7,317.75 लाख हो गई। परिणामस्वरूप, कर पूर्व लाभ 178.91 लाख (वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही) से बढ़कर 746.04 लाख (वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही) हो गया, जो मजबूत परिचालन प्रदर्शन को दर्शाता है। यह व्यावसायिक प्रदर्शन में क्वार्टर-ऑन-क्वार्टर सुधार का संकेत देता है।

31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए संचालन से राजस्व 15,928.09 रुपये पर था। शुद्ध में 2024 को समाप्त नौ महीनों के 768.48 लाख से 40त्न वृद्धि कर 1,076.14 लाख हो गया।

आगे चलकर कंपनी इथेनॉल में संभावित मूल्य वृद्धि का लाभ उठाने की योजना बना रही है।

बी-हेवी गुड़ चीनी उत्पादन का एक उप-उत्पाद है जो इथेनॉल बनाने के लिए उपयोग किया जाता है और सी-हेवी गुड़ चीनी रिफाइनरियों का एक उप-उत्पाद है जो इथेनॉल बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

सितंबर 2024 में, इसके बोर्ड ने 1 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू के माध्यम से फंड जुटाने को मंजूरी दी, जो अधिकतम 400 करोड़ तक हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास, टी20 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनें

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मुकाबला खेला जा रहा है। जहां भारत ने टॉस जीता और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इस दौरान टीम इंडिया के गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इतिहास रच दिया। दरअसल, वह भारत की ओर से टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस कड़ी में उन्होंने युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड तोड़ा है।

दरअसल, अर्शदीप ने पहले ही ओवर में इंग्लैंड को बड़ा झटका देते हुए फिल सॉल्ट को आउट किया उसके बाद उन्होंने बेन डकेट को भी पवेलियन भेजा।

वहीं टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड युजवेंद्र चहल के नाम था। चहल को इस मुकाम तक पहुंचने में 7 साल लगे। उन्होंने 2016 से लेकर 2023 तक 80 टी20 मैच में 96 विकेट झटके थे। लेकिन अर्शदीप ने महज 2022 से 2025 तक नंबर 1 पर कब्जा जमा लिया है। उन्होंने ये कारनामा महज 61वें टी20 मैच में कर दिखाया है।

वहीं टीम इंडिया ने पहले टी20 में बेहतरीन शुरुआत की है। पॉवर प्ले में ही टीम इंडिया को 2 विकेट की सफलता मिली। हालांकिस मैच में प्लेइंग 11 हैरान करने वाली है। क्योंकि पहले टी20 मैच में महोम्मद शमी को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला है।

टी20 में भारत के सबसे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

97 अर्शदीप सिंह
96 युजवेंद्र चहल
90 भुवनेश्वर कुमार
89 जसप्रीत बुमराह
89 हार्दिक पंड्या

सिंधु और लक्ष्य करेंगे चीन में बैडमिंटन एशिया मिश्रित चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुआई

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य विजेता लक्ष्य सेन 11 से 16 फरवरी तक चीन के क्गिदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। भारत ने 2023 में दुबई में प्रतियोगिता के पिछले चरण में कांस्य पदक जीता था। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने टीम का चयन करते समय खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग और मौजूदा फॉर्म को अहमियत दी है। टीम में एचएस प्रणय और मालविका बंसोड़ क्रमशः दूसरे पुरुष और महिला एकल खिलाड़ी होंगे।''

मजबूत भारतीय टीम में स्टार युगल खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी होंगे। महिला युगल जोड़ी में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली या अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो में से कोई एक हो सकती है। तनीषा मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला के साथ जोड़ी बनायेंगी जबकि सतीश कुमार के और आद्या वरियाथ दूसरी जोड़ी होगी। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, ''हमने दो साल पहले कांस्य पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस साल हमारा लक्ष्य फाइनल में पहुंचना है। फिर कुछ भी संभव है और हम पूरी कोशिश करेंगे।''

महिला अंडर-19 विश्व कप : इंग्लैंड ने अमेरिका को 8 विकेट से हराया

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। डेविना पेरिन (74) और ट्रुडी जॉनसन (नाबाद 44) की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने बुधवार को अंडर-19 महिला टी-20 मुकाबले में अमेरिका को आठ विकेट से हरा दिया है। अमेरिका के 119 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर एरिन थॉमस (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी ट्रुडी जॉनसन ने डेविना पेरिन के साथ पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 117 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में पूजा शाह ने डेविना पेरिन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डेविना पेरिन ने 45 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुये (74) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। ट्रुडी जॉनसन (44) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड ने 14.2 ओवर में दो विकेट पर 120 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। अमेरिका की ओर से माही माधवन और पूजा शाह को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिए थे। चेतना पग्यद्दला (10), इसानी वाघेल (10) और दिशा ढींगरा (छह) रन बनाकर आउट हुई। ऐसे समय मे कप्तान अनिका कोलन ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। रितू सिंह (20) रन बनाकर आउट हुई। अनिका कोलन (46) और पूजा गणेश (10) रन बनाकर नाबाद रही। अमेरिका की महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 119 रन का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से प्रिशा थानावाला, ट्रुडी जॉनसन ने दो-दो विकेट लिये। टिली कॉर्टीन-कोलमैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रोहित को क्या करना है यह किसी को बताने की जरूरत नहीं : अजिंक्य रहाणे

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को कहा कि रोहित शर्मा को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना है और 'जब वह लय हासिल कर लेंगे तो उन्हें बड़ी पारी खेलने में कोई परेशानी नहीं आएगी'। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित लगभग एक दशक के अंतराल के बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी करेंगे।

मुंबई की टीम बृहस्पतिवार से यहां बीकेसी मैदान पर जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगी तो सभी की निगाहें रोहित और उनके भारत के सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल पर होंगी। रहाणे ने मुंबई के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, 'देखिए, रोहित, रोहित है। हम सभी यह जानते हैं। आपको भी पता है कि रोहित का व्यक्तित्व क्या है। मैं उन दोनों (रोहित और जायसवाल) को मुंबई के ड्रेसिंग रूम में वापस पाकर बहुत खुश हूं।'

रहाणे ने कहा, 'रोहित कभी तनाव लेना पसंद नहीं करते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए भी उनका चरित्र वैसा ही है। उनका रवैया काफी सहज है। वह

अपने खेल को अच्छी तरह से जानते हैं, इसलिए किसी को उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना है। वह एक बार क्रीज पर थोड़ा समय बिताने के बाद अच्छा करेंगे। उन्होंने खुद में कोई बदलाव नहीं किया है जो काफी अच्छी बात है।' पिछले कुछ महीनों से 37 वर्षीय रोहित बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं। वह घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली करारी शिकस्त के बाद आलोचना का सामना कर रहे हैं। रहाणे ने कहा कि हर खिलाड़ी करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है लेकिन रोहित 'वास्तव में आश्वस्त' हैं। रोहित के साथ लंबे समय तक भारतीय ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'इस में अहम बात यह है कि रोहित में अच्छा प्रदर्शन करने का जज्बा बरकरार है। वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ है। मुझे यकीन है कि एक बार जब वह मैदान पर उतरेंगे तो ऐसा करने में सफल रहेंगे।'

राहणे ने कहा, 'रोहित ने कल अभ्यास के कुछ सत्रों में अच्छी बल्लेबाजी की। मैं रोहित के अच्छे प्रदर्शन को लेकर वास्तव में आश्वस्त हूं।' रहाणे ने कहा कि जम्मू कश्मीर के खिलाफ यह मैच इस सत्र में रोहित के लिए एकमात्र मुकाबला हो सकता है। रोहित इंग्लैंड के खिलाफ छह फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला और उसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की कप्तानी करेंगे। रहाणे ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह सिर्फ इस मुकाबले को खेलेंगे। अगले मैच में उनकी उपलब्धता के बारे में मुझे पता नहीं है। अगले चार दिनों तक उनके सुझाव हमारे लिए काफी अहम होंगे।'

ऑस्ट्रेलिया में सर्फिंग करती दिखीं सारा तेंदुलकर

सिडनी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर आजकल यहां गोल्ड कोस्ट पर समुद्र की लहरों के बीच सर्फिंग का आनंद ले रही हैं। सारा ने सोशल मीडिया में अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे की तस्वीरें साझा की हैं। सार गोल्ड कोस्ट पर सर्फर्स पैराडाइज का आनंद लेने के लिए अपने दोस्तों सहित यहां पहुंची थीं। इस दौरन नीले रंग की ड्रेस पहनी सारा ने खूब सर्फिंग का आनंद लिया। प्रशंसकों ने भी सारा की तस्वीरों को काफी पसंद किया है। इन तस्वीरों के लिए उन्हें जमकर लाइक मिले हैं। सारा की इन तस्वरों को पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी पसंद किया है। वहीं गत दिना सारा को क्वींसलैंड के समुद्र में जेट स्की का आनंद लेते हुए भी देखा गया था। इसके अलावा पिछले दिनों वह अपनी मां अंजलि तेंदुलकर के साथ एक इवैंट पर पहुंची थी। यहां वह लाल रंग की ड्रेस में सबसे आकर्षण का केन्द्र रहीं। सारा वी–नेक पर सॉफ्ट मिरर, पर्ल और गोटा वर्क से सजी एक शानदार लाल स्लिम–फिट ट्यूनिक में पहुंचीं।

बीसीसीआई के इस दिशा निर्देश को सही नहीं मानते बटलर

कोलकाता। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा है कि वह भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) के उस दिशा निर्देशों को सही नहीं मानते जिसमें कहा गया है कि विदेशी दौरे पर खिलाड़ियों का परिवार पूरे समय उनके साथ नहीं रह सकता है। इसके पीछे तर्क दिय गया है कि खिलाड़ी इससे पूरे समय खेल पर ध्यान नहीं दे पाते। वहीं बटलर का कहना है कि लंबे विदेश दौरों पर परिवार का साथ बहुत महत्वपूर्ण होता है और इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता। बटलर के अलावा कई और दिग्गज भी इस नियम को सही नहीं मानते। वहीं कुछ इसे सही मानते हैं। भारत के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी इस नियम को लेकर आंशका जताई है। बोर्ड के दिशा निर्देश के अनुसार खिलाड़ी तय समय से अधिक परिवार के साथ नहीं बिता सकते। बटलर ने कहा, 'यह काफी भारी सवाल है। यह अहम है। हम आधुनिक जगत में रह रहे हैं और दौरों पर परिवार का साथ रहना बहुत अच्छा है।

टी20 विश्व कप की योजनाओं को लेकर सूर्यकुमार ने दिया मजेदार जवाब

कोलकाता। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले मीडिया से बात करते हुए हंसी–मजाक के मूड में नजर आये। इस दौरान जब उनसे उनसे अगले साल होने वाले टी 20 विश्व कप की योजनाओं को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि सारे राज अभी ही बता दूं क्या। साथ ही कहा कि अभी यात्रा का आनंद लेने दो, हमें टीम भी तैयार करनी है, स्थिति देखनी है और एक ईकाई के तौर पर खेलना है। यही मेरा और कोच गौतम गंभीर का मानना है। वहीं टीम के उपकप्तान बने डिप्टी अक्षर पटेल ने कहा कि भारतीय टीम इंग्लैंड से टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए अपने विकल्पों पर अधिक ध्यान देते हुए उनके आंकलन का प्रयास करेगी। अक्षर ने कहा कि एक साल में विश्व कप आ रहा है, इसलिए उसके लिए कैसे आगे बढ़ें इसपर हमें अभी से ध्यान देना होगा। यही इस सीरीज में हमारा मुख्य लक्ष्य है। साथ ही कहा कि लय हासिल करना सबसे अहम है कयोंकि अगर आप अच्छी शुरुआत करते हैं, तो आप इसे जारी रख सकते हैं।

मनसुख मांडविया ने की एशियाई खेलों और 2036 ओलंपिक में खो-खो को शामिल करने की वकालत

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को पारंपरिक भारतीय खेलों को दुनिया भर में ले जाने की सरकार की इच्छा व्यक्त की और कहा कि खोखो को एशियाई खेलों और 2036 ओलंपिक में शामिल करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है और उसने अपनी महत्वाकांक्षी योजना की दिशा में पहला ठोस कदम उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग को अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए एक 'आशय पत्र' प्रस्तुत किया है। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो खोखो उन छह खेलों में से एक होगा जिन्हें मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ट्वेंटी-20 क्रिकेट, कबड्डी, शतरंज और स्क्वाश के साथ 2036 ओलंपिक में शामिल करने की सिफारिश करने की योजना बना रही है।

विश्व कप जीतने वाली भारतीय खोखो टीमों को सम्मानित करते हुए मांडविया ने कहा, ''हमने खोखो विश्व कप का आयोजन करके शानदार काम किया है और हमें यह प्रयास करना चाहिए कि इन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''सरकार का प्रयास खोखो को 2036 के ओलंपिक में ले जाना भी है। इसके लिए खिलाड़ियों और कोचों को अच्छा प्रदर्शन करते रहना होगा, महासंघ को अच्छा प्रबंधन करते रहना होगा और खेल मंत्रालय खिलाड़ियों के प्रदर्शन के स्तर को बढ़ाने में सहायता और सहयोग करता रहेगा।''

सम्मान समारोह में पुरुष और महिला टीमों के साथ टीम के कोच और भारतीय खोखो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल सहित अन्य लोग शामिल हुए। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने 19 जनवरी को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खोखो विश्व कप का खिताब जीता। दोनों भारतीय टीमों ने फाइनल में नेपाल को हराया। देश में पारंपरिक खेलों के पुनरुत्थान के बारे में बात करते हुए मांडविया ने कहा, ''पारंपरिक खेल सामुदायिक भावना और सहनशीलता को दर्शाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे पारंपरिक खेल मूल्यों को बनाए रखते हैं। दुनिया इन पारंपरिक खेलों की समृद्धि से बहुत कुछ सीख सकती है।''

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों पर जिक्र किया है कि हमें पारंपरिक खेलों को सर्वश्रेष्ठ 'एक्सपोजर' देना होगा। अब हमारी टीम को सर्वश्रेष्ठ 'एक्सपोजर' ही नहीं मिल रहा बल्कि टीम शानदार प्रदर्शन भी कर रही हैं।'' भारतीय महिला खोखो टीम के मुख्य कोच सुमित भाटिया ने टीम की सफलता का श्रेय यहां कराये गये एक महीने के शिविर को दिया।

उन्होंने कहा, ''10 दिसंबर को हमने 60 खिलाड़ियों के साथ शिविर शुरू किया। उनमें से हमने पुरुष और महिला टीमों के लिए प्रत्येक में सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी चुने। टीमों में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के खिलाड़ी शामिल थे और शिविर ने उन्हें एकजुट होने में मदद की।

रोहित और विराट एकदिवसीय के दिग्गज बल्लेबाज, चैम्पियंस ट्रॉफी में पड़ेगी जरुरत : कैफ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी में जरुरत पड़ेगी। कैफ के अनुसार हाल में भले ही इनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है पर ये दोनो एकदिवसीय के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। इसलिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए इनका चयन सही है। विराट ने साल 2008 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय प्रारूप में पदार्पण के बाद से ही अब तक 295 मैचों में 93.54 की स्ट्राइक रेट से 13906 रन बनाए हैं। उनका औसत भी 58.18 है। वहीं रोहित ने अपना पहला एकदिवसीय मैच 2007 में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। 265 एकदिवसीय में रोहित ने 92.43 की स्ट्राइक रेट और 49.16 की औसत से 10866 रन बनाए हैं। कैफ ने हालांकि ये भी कहा कि रोहित और विराट दोनों ही लंबे समय तक नहीं खेलेंगे क्योंकि वे 30 के दशक के अंत में हैं। उन्होंने कहा कि दो अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान टीम में बहुत योगदान देंगे। उन्होंने कहा, आपको रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरूरत है। रोहित 37 साल के हैं और कोहली 36 साल के हैं। वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। उनके लिए प्रार्थना करें, उनका समर्थन करें। वे दो बेहतरीन सफेद गेंद के खिलाड़ी हैं। वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि वे अच्छा खेलेंगे। वे आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में बहुत योगदान देंगे। अगर वे अच्छा खेलते हैं, तो आप दुबई में मैच जीतेंगे। रोहित शर्मा तेज शुरुआत देते हैं। विराट कोहली उस शुरुआत का फायदा उठाते हैं।

एलएसजी तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ उतरेगी : जहीर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) टीम के मेंटर जहीर खान ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंटस के पास बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ ने पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खरीदा है। इसमें से तीन को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और डेविड मिलर शुरुआत में उतरेंगे। साथ ही कहा कि तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने से टीम का रुख आक्रामक रहेगा। जहीर के अनुसार इतने बांए हाथ के खिलाड़ी रखना टीम की रणनीति भी हो सकती है। एलएसजी ने इस सत्र के लिए ऋषभ को कप्तान बनाया है। 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कप्तानी करने वाले जहीर ने ऋषभ को देखा है और उनके साथ काम किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के अनुसार ऋषभ ऐसे व्यक्ति हैं जो पूरी टीम को प्रेरित कर सकते हैं और क्रिकेट का एक ऐसा ब्रांड स्थापित कर सकते हैं जिसे एलएसजी खेलना चाहता है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था: एरिका वीब

विजयनगर (कर्नाटक) (एजेंसी)। पूर्व ओलंपिक चैंपियन पहलवान एरिका वीब ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती को बाहर करने को बेहद निराशानजक करार दिया लेकिन साथ ही उम्मीद जताई कि अगले सत्र में खेल की वापसी होगी। कनाडा की एरिका ने 2016 रियो ओलंपिक की महिला 75 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में कजाखस्तान की गुजेल मेन्युरोवा को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता था।

यूनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और आईएसएस के सहयोग से यहां चल रहे अंतरराष्ट्रीय महिला कुश्ती शिविर और 'रेस्लिंग मास्टरक्लास' कार्यक्रम के लिए यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट आई एरिका ने वकालत की कि 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था। एरिका ने इंटरव्यू में कहा, 'ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का फैसला बहुत निराशाजनक था। उन्होंने खेलों के लिए एक बहुत ही अलग मॉडल अपनाया। उनके पास केवल 10 खेल हैं। यह बेहद निराशाजनक बात है। मैं वास्तव में चाहती थी कि वे मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल करते।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस खेल (कुश्ती) की लोगों तक अधिक पहुंच है। मुझे लगता है कि महासंघ बेहतर स्थिति में है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रमंडल में भारत और नाइजीरिया की मौजूदगी में कुश्ती के खेल में शानदार खिलाड़ियों के रूप में अपनी विविधतापूर्ण ताकत दिखाने का एक अवसर है।' कनाडा की इस पहलवान ने कहा, 'और इसलिए, हां, यह निराशाजनक है। मुझे लगता है कि चीजें बदलेंगी। हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है और इसलिए मुझे उम्मीद है कि शायद 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हम कुश्ती की वापसी देखेंगे।'

बुडापेस्ट 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता एरिका ने ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया की प्रशंसा की और कहा कि भारत में महिला कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत से भारतीय खिलाड़ियों, खासकर पहलवानों की सराहना करती हूं। मैंने बजरंग के लिए मैट पर और मैट के बाहर सम्मान के बारे में बहुत बात की है, वह एक शानदार पहलवान, अविश्वसनीय सहयोगी है। भारत में महिला फ्रीस्टाइल कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं।'

बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप 2018 की कांस्य पदक विजेता एरिका ने कहा, 'मैं फोगाट बहनों, साक्षी मलिक और विनेश के बारे में सोचती हूं, जो ना केवल मैट पर चैंपियन रही हैं, बल्कि जिस तरह से वे खुद को संभालती हैं और मैट के बाहर जिस तरह चीजों के लिए खड़ी होती हैं, वह मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक है।'

एरिका ने कहा कि एशियाई स्तर पर कुश्ती में प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है और एशियाई पहलवानों की कुश्ती की शैली अलग तरह की है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एशियाई पहलवानों की कुश्ती की शैली बहुत ही अनोखी है, इतने सारे देशों की मौजूदगी में प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है,

खासकर कम भार वाले वजन वर्गों में, वे बहुत प्रतिस्पर्धी, बहुत तेज, तकनीक रूप से सक्षम हैं, उन्हें खेलते हुए देखना शानदार होता है।'

राष्ट्रमंडल खेल 2014 की चैंपियन एरिका ने कहा, 'मुझे 2023 एशियाई चैंपियनशिप के लिए कजाखस्तान जाने का मौका मिला। मैं 2025 एशियाई चैंपियनशिप के लिए जॉर्डन के अम्मान में रहूंगी। मैं कुश्ती की क्षमता, उत्साह, ऊर्जा को देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं जो हम एशिया में कुश्ती की शैली में देखते हैं।'

जंगल की आग से ओलंपिक, फीफा विश्वकप के आयोजन पर उठे सवाल

फ्लोरिडा। लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग के बाद यहां 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों पर सवाल उठने लगे हैं। यहां तक कि ओलंपिक को डलास या मियामी में स्थानांतरित करने की भी मांग उठी है। इसी को लेकर आयोजन समिति के प्रमुख कैसी वासरमैन ने गत दिनों अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की थी जिसमें ट्रम्प ने कहा था कि यह ओलंपिक अमरीका के हैं। इसलिए इस मामले में हर प्रकार से प्रयास किये जाएंगे जिससे कि खेल का सफल आयोजन हो सके। वहीं लॉस एंजिल्स में ही अगले साल फीफा विश्व कप के मैच भी होने हैं। यह स्थल जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों के करीब है हालांकि इसके बाद भी मैचों को बाहर स्थानांतरित करने के लिए अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान सुपर बाउल 2027 पर भी नजरें होंगी। वहीं कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम कहते हैं कि हमारे पास ओलिम्पिक, सुपर बाउल और फीफा विश्व कप की मेजबानी है। हमारे पास टीम है एक टीम है जो आयोजन की रूपरेखा तैयारी कर रही है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि ओलंपिक का उपयोग किसी आपदा से तबाह हुए क्षेत्र को बदलने के माध्यम के रूप में किया जाएगा। ओलिम्पिक 14 जुलाई, 2028 को शुरू होने वाले हैं। ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान साल 2017 में अमरीका को इसकी मेजबानी मिली थी। लॉस एंजिल्स ने अंतिम बार 1984 में ओलिम्पिक की मेजबानी की थी। वहीं मीडिया दिग्गज चार्ली किर्क आदि ने खेलों को स्थानांतरित करने को किा था। किर्क ने कहा कि ओलंपि रद्द कर दिया जाना चाहिए। यदि आप फायर हाइड्रैंट नहीं भर सकते हैं, तो आप ओलिम्पिक की मेजबानी के योग्य नहीं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है सांची

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था।

भारत का इतिहास और संस्कृति विश्वभर में प्रसिद्ध है, और इस सांस्कृतिक धरोहर का एक अद्वितीय उदाहरण मध्यप्रदेश के सांची में देखने को मिलता है। सांची एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन स्तूपों, मठों, और बौद्ध अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है और यहाँ के ऐतिहासिक स्मारक भारतीय स्थापत्य कला और संस्कृति के अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। सांची को यूनेस्को द्वारा 1989 में विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई थी, जो इसे और भी खास बनाता है।

सांची का इतिहास

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था। इसके अलावा, यहाँ के अन्य स्तूप, मठ, और विहार भी बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार से जुड़े हुए हैं। सांची का इतिहास भारत के प्राचीन धर्म और संस्कृति को दर्शाता है, और यहाँ के स्मारक बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण केंद्र माने जाते हैं।

सांची के प्रमुख आकर्षण

सांची स्तूप

- सांची का प्रमुख आकर्षण सांची स्तूप है, जिसे सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल के दौरान बनवाया था। यह स्तूप बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है और इसे विश्वभर से श्रद्धालु और पर्यटक देखने आते हैं। स्तूप की दीवारों पर बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण और उकेरे गए दृश्य अत्यंत प्रसिद्ध हैं। यह स्तूप बुद्ध की जीवन गाथाओं को चित्रित करता है और इसे भारतीय स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

विक्रमादित्य का स्तूप

यह स्तूप सांची के प्रमुख स्तूपों में से एक है और इसमें बुद्ध के अवशेष रखे गए थे। इसे विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। यह स्तूप संरचनात्मक रूप से बहुत आकर्षक है और यहाँ की दीवारों पर बौद्ध धर्म के प्रतीकों और चित्रों को देखा जा सकता है।

अशोक स्तंभ

सांची में सम्राट अशोक द्वारा स्थापित एक विशाल स्तंभ स्थित है, जो बौद्ध धर्म के प्रचार और सम्राट अशोक के धार्मिक योगदान को दर्शाता है। इस स्तंभ पर अशोक के शिलालेख उकेरे गए हैं, जो उस समय के शासन और बौद्ध धर्म के प्रति उनके समर्पण को व्यक्त करते हैं।

विहार और मठ

सांची में कई मठ और विहार भी हैं, जो प्राचीन बौद्ध साधकों और भिक्षुओं के रहने के स्थल रहे हैं। इन मठों और विहारों का स्थापत्य और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ पर बौद्ध धर्म के अनुयायी ध्यान और साधना करते थे।

सांची संग्रहालय

सांची संग्रहालय बौद्ध कला और संस्कृति का एक प्रमुख स्थल है। इस संग्रहालय में सांची से प्राप्त प्राचीन मूर्तियाँ, स्तूपों के अवशेष, शिलालेख और अन्य धार्मिक वस्तुएं प्रदर्शित की जाती हैं। यहाँ आकर पर्यटक सांची के ऐतिहासिक महत्व को गहरे से समझ सकते हैं।

उदयगिरी गुफाएँ

सांची से कुछ किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरी गुफाएँ प्राचीन हिन्दू और बौद्ध कला के अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ भगवान विष्णु, शिव और बुद्ध के अद्वितीय चित्रण से सुसज्जित हैं।

सांची का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

सांची का धार्मिक महत्व विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यधिक है। सम्राट अशोक द्वारा स्थापित स्तूप और अन्य स्मारक बौद्ध धर्म के आस्था और अनुशासन के प्रतीक माने जाते हैं। सांची न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह भारतीय कला, स्थापत्य, और संस्कृति का भी प्रमुख केंद्र है। यहाँ की वास्तुकला और मूर्तियों में उस समय की सामाजिक और धार्मिक जीवनशैली का चित्रण किया गया है, जो भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सांची कैसे पहुंचें?

वायु मार्ग- सांची का नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में स्थित है, जो लगभग 46 किलोमीटर दूर है। भोपाल से सांची तक टैक्सी या बस द्वारा आसानी से पहुँच सकते हैं।

रेल मार्ग- सांची का नजदीकी रेलवे स्टेशन सांची रेलवे स्टेशन है, जो यहाँ से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भोपाल, दिल्ली, मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों से सांची के लिए ट्रेन सेवाएँ उपलब्ध हैं।

सड़क मार्ग- सांची प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। भोपाल, गुना, और उज्जैन जैसे शहरों से सांची के लिए नियमित बस सेवाएँ और टैक्सी उपलब्ध हैं।

सांची का मौसम

सांची का मौसम पूरे साल अच्छा रहता है, लेकिन सबसे आदर्श समय यहाँ यात्रा करने के लिए सर्दियों (नवंबर से फरवरी) का होता है। इस समय का मौसम ठंडा और सुखद होता है, जो यात्रा के लिए उपयुक्त है। गर्मियों में तापमान थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन नर्म मौसम और वायु की ठंडक यहां की यात्रा को सुखद बना देती है।

सांची भारतीय इतिहास, संस्कृति और बौद्ध धर्म का अद्भुत संगम है। यहाँ के स्तूप, मठ, और संग्रहालय न केवल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए एक तीर्थ स्थल हैं, बल्कि कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थल हैं। सांची की यात्रा से आपको न केवल धार्मिक शांति और मानसिक संतुलन मिलेगा, बल्कि भारतीय प्राचीन कला और संस्कृति का भी अनमोल अनुभव होगा। अगर आप ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों में रुचि रखते हैं, तो सांची एक आदर्श गंतव्य है।

रहस्यों से भरा है उत्तराखंड का ये खूबसूरत हिल स्टेशन, कहा जाता है परियों का देश

उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है और इस राज्य में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन जगहें हैं। इस राज्य की खूबसूरती को पास से देखने के लिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट्स की अच्छी खासी तादाद आती है। लेकिन कई बार हम सभी इस खूबसूरत जगहों के पीछे छिपे रहस्यों को जानकर हैरान रह जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी शहर के शोर-शराबे से दूर किसी शांत वातावरण में सुकून के दो पल बिताना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बेहद खूबसूरत होने के साथ-साथ रहस्यमयी भी है।

जन्नत से की जाती है तुलना

उत्तराखंड में स्थित इस छोटे से हिल स्टेशन की खूबसूरती की तुलना स्वर्ग से की जाती है। इस हिल स्टेशन का नाम खैट पर्वत है। खैट पर्वत को परियों का देश भी माना जाता है। ऐसे में आप भी बेहद कम बजट में उत्तराखंड के गढ़वाल जिले में स्थित थात गांव के इस हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करने के लिए आ सकते हैं।

रहस्यों के लिए भी फेमस है ये जगह

यहां पर रहने वाले स्थानीय लोगों की मानें, तो इस जगह पर परियां दिखती हैं। बताया जाता है कि इस जगह पर नजर आने वाली परियां थात गांव की रक्षा भी करती हैं। तो वहीं कुछ लोग इन परियों को योगिनियां और वनदेवियां भी कहते हैं। वहीं इस गांव के पास स्थित खैटखाल मंदिर को भी बेहद रहस्यमयी माना जाता है।

यहां जून में लगता है मेला

आपको बता दें कि इस गांव में जून के महीने में मेले का आयोजन किया जाता है। हरियाली से घिरा ये गांव आपका तनाव दूर करने में सहायक हो सकती है। वहीं अगर आप चाहें तो यहां पर कैंपिंग भी कर सकते हैं। हालांकि इस बेहद खूबसूरत गांव में शाम को 7 बजे के बाद कैंप से बाहर निकलने की परमिशन नहीं है। इसके अलावा यहां पर म्यूजिक बजाने पर भी रोक है, माना जाता है कि परियों को शोर-शराबा पसंद नहीं है।

शिमला और कश्मीर से कम खूबसूरत नहीं ये ऑफबीट हिल स्टेशन, पर्यटकों की नहीं मिलेगी भीड़

घूमने के शौकीन लोग अक्सर छुट्टियां मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। अक्सर घूमने का प्लान आते ही लोगों के मन में सबसे पहले हिल स्टेशनों के ऑप्शन पर ध्यान जाता है। हिल स्टेशन पर जाना अधिकतर लोगों को इसलिए भी पसंद होता है कि वह शहर की भीड़भाड़ से दूर सुकून के कुछ पल बिता सकें। लेकिन कई फेमस हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ पहुंचती है। अगर आप भी शिमला-मनाली, मसूरी और धर्मशाला आदि हिल स्टेशनों पर जाना चाहते हैं, तो यहां बहुत ज्यादा ट्रैफिक और भीड़ होती है। हालांकि कुछ हिल स्टेशन ऐसे भी हैं, जो कश्मीर, शिमला या मनाली से कम नहीं और लोग इनके बारे में अधिक जानते भी नहीं। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, जहां पर पर्यटकों की भीड़ कम होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन ऑफबीट हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पर्यटकों की ज्यादा भीड़ नहीं पहुंचती है। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले की सैंज घाटी में एक बेहद खूबसूरत गांव है। इस गांव का नाम शांघड़ है। बता दें कि इस गांव के नजारे स्विट्जरलैंड की तरह हैं। इसी वजह से इस गांव को कुल्लू का खज्जियार या भारत का दूसरा मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है।

शांघड़

यहां के मैदान में हरे-भरे पेड़ और अद्भुत चीड़ के पेड़ों और रंग-बिरंगे छोटे घरों का नजारा बिलकुल विदेशी पर्यटन जैसे लगता है। शांघड़ में आप शंगचुल महादेव मंदिर, शांघड़ मीडोज, बरशानगढ़ झरना और रैला गांव में लकड़ी से बना टावर मंदिर है। इस जगह पर आप मन की शांति और सुंदर दृश्यों का नजारा देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

शांघड़ जाने के लिए आप अपने शहर से अंबाला, चंडीगढ़ या जोगिंदर नगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर सड़क मार्ग से मनाली जाएं। इसके बाद शांघड़ पहुंचने के लिए मनाली से सैंज का सफर स्थानीय बस से कर सकते हैं। इसके अलावा आप कुल्लू हवाई अड्डा पहुंचकर भंतर से सैंज के लिए टैक्सी या बस पकड़ सकते हैं।

कनातल

यदि आप छिपे हुए खूबसूरत हिल स्टेशनों की तलाश में हैं, तो उत्तराखंड के कनातल हिल स्टेशन पर जा सकते हैं। कनातल में सीमित सैलानी आते हैं और प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के लिए और भीड़-भाड़ से दूर सुकून के दो पल बिताने के लिए यहां पहुंच सकते हैं। यहां पर आप कैंपिंग और ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह हिल स्टेशन देहरादून से 78किमी की दूरी पर है। मसूरी से कनातल 38 किमी और चंबा से 12 किमी दूर यहां पर पहुंचना बहुत आसान है।

ऐसे पहुंचें

कनातल हिल स्टेशन की सैर के लिए देहरादून रेलवे स्टेशन से आगे बस का सफर कर सकते हैं। अगर आप मसूरी या चंबा में हैं, तो आप भी टैक्सी या स्थानीय बस से कनातल की सैर कर सकती हैं।

कलगा गांव

ट्रैकिंग के शौकीन लोगों को कलगा गांव जाना चाहिए। यहां पर कलगा-बुनबुनी-खीरगंगा ट्रैक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। बता दें कि इस 28 किमी लंबे ट्रैक को पूरा करने में 3 दिन का समय लग सकता है। यह गांव और ट्रैक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पार्वती घाटी में पुलगा डैम के पास स्थित है। ट्रैकिंग के अलावा आप यहां पर पहाड़ी की चोटी से मणिकर्ण घाटी का अद्भुत नजारा दिखता है। तो वहीं सूर्यास्त के बाद यहां का नजारा काफी मनमोहक होता है।

ऐसे पहुंचे कलगा

कुल्लू जिले के भुंतर तक सड़ और हवाई मार्ग से जा सकते हैं। यहां से हवाई अड्डे से 25 किमी की दूरी पर मणिकर्ण है। जहां के लिए बहुत आसानी बस या टैक्सी मिल जाती है। मणिकर्ण से महज 10 किमी की दूर कलगा गांव है। जहां से ट्रैक शुरू होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम बनाने की मांग पर बोले शिवकुमार- मैं अपना कर्तव्य निभाऊंगा, पार्टी तय करेगी

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर डी शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठी है। इस बार जैन संत गुणाधर नंदी महाराज ने इस आशय की मांग की है। इस पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाएंगे और बाकी का फैसला पार्टी करेगी।

नवग्रह तीर्थ महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में पूज्य संत गुणधर नंदी महाराज ने शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त करते हुए आशीर्वाद दिया।कार्यक्रम में भक्तों को संबोधित करते हुए महाराज ने कहा कि उनके दो सपने हैं- जैनियों के लिए एक निगम बोर्ड का गठन और शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना। उन्होंने मंच पर मौजूद सभी आचार्यों और जैन मुनियों को हाथ उठाकर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित किया।

महाराज ने कहा, मैं शिवकुमार को आशीर्वाद दे रहा हूं। चाहे कुछ भी हो, वह जल्द ही मुख्यमंत्री बनेंगे। मैं यह आशीर्वाद इसलिए दे रहा हूं क्योंकि कांग्रेस पार्टी के लिए इतनी मेहनत और योगदान देने वाला कोई और नहीं है। कोई भी उनके प्रयासों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी इच्छा है कि शिवकुमार एक बार मुख्यमंत्री बनें। वह धर्मनिष्ठ और त्यागी हैं।इस घटनाक्रम ने एक बार फिर कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे को सामने ला दिया है। इससे पहले, शिवकुमार ने स्पष्ट रूप से कहा था कि राज्य में सत्ता-साझेदारी पर कोई समझौता नहीं है और वह मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अधीन काम करेंगे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने के लिए संत के आशीर्वाद के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आध्यात्मिक नेता हमें आशीर्वाद देते हैं तो हम क्या कह सकते हैं? यह उनकी इच्छा है। हालांकि, हमारी पार्टी सर्वोच्च है। पार्टी जो भी फैसला करेगी, हम उसका पालन करेंगे। मुझे कोई पद पाने की जरूरत महसूस नहीं होती। मेरी जिम्मेदारी पार्टी और सरकार के लिए जो भी काम करना है, उसे करना है। मैं जल्दबाजी में नहीं हूं।

कौन कहां पर गंगा में डुबकी लगाएगा ये बीजेपी वाले तय नहीं कर सकते : डिंपल यादव

मैनपुरी। यूपी के मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने मिल्कीरपुर उपचुनाव में जीत का बड़ा दावा किया है। उन्हों्ने कहा कि उपचुनाव की घोषणा होते ही बीजेपी सरकार के इशारे पर मिल्कीयपुर में संघ और विहिप जैसे संगठन सक्रिय हो चुके हैं। बीजेपी की सभी साजिशों को नाकाम कर जनता सपा प्रत्याशिी को ही वोट देगी। इस दौरान डिंपल ने सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव के हरिद्वार में डुबकी लगाने के सवाल का जवाब भी दिया। डिंपल ने कहा कि बीजेपी के नेता ये नहीं तय कर सकते कि कौन कहां डुबकी लगाएगा।

ये हमारा अधिकार है कि हम कब और कहां जाकर गंगा में डुबकी लगाएंगे। बीजेपी के लोग देश का भविष्यय खराब करना चाहते हैं। बता दें कि पांच फरवरी को अयोध्या् के मिल्कीपुर में उपचुनाव होना है। आठ फरवरी को नतीजे आएंगे। सपा ने सीट से अयोध्यार सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं बीजेपी ने चंद्रभान पासवान को उतारा है। बसपा ने कोई उम्मीदवार नहीं घोषित किया है। सपा और बीजेपी दोनों पार्टियों के नेता अपने प्रत्याशी की जीत के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं।

लगातार ताकतवर हो रही भारतीय सेना, अब खरीदे जाएंगे 47 टी-72 ब्रिज लेइंग टैंक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय सेना के लिए 47 ब्रिज लेइंग टैंकों (बीएलटी) की खरीद के लिए हैवी व्हीकल फैक्ट्री के साथ 1 हजार 560.52 करोड़ रुपए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सिस्टम एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका प्रयोग यांत्रिक बल द्वारा आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह के अभियानों के दौरान पुलों का निर्माण करने के लिए किया जाता है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते पर मंत्रालय और हैवी व्हीकल फैक्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। उस दौरान रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। हैवी व्हीकल फैक्ट्री दरअसल आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की ही एक इकाई है। मंत्रालय ने कहा कि बीएलटी टैंक और बख्तरबंद वाहनों के बेड़े को पुल बनाने की क्षमता प्रदान करता है। इससे युद्ध के मैदान में सेना की गतिशीलता और आक्रामक क्षमता बढ़ती है। समझौते के तहत टैंकों की खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) होने से रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा यह परियोजना समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राहुल गांधी के मानहानि के केस में फिर टली सुनवाई

सुलतानपुर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के केस में बुधवार को वकीलों के प्रस्ताव के कारण सुनवाई टल गई। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रस्ताव के कारण सुनवाई 30 जनवरी तक के लिए टल गई। मामले में बचाव पक्ष द्वारा परिवादी से शेष जिरह में विचाराधीन है। गौरतलब है कि बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर कथित रुप से आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। परिवादी से शेष जिरह की कार्रवाई में मामले की सुनवाई नियत की गई है।

विपक्ष पर नाराज होकर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, ये दुख की बात है, लोग संसद की मर्यादा भूल गए

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप (आईआईडीएल) के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। इस दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ ने संसद की कार्यवाही को बाधित करने वाले विपक्ष को भी खरी-खोटी सुनाई।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ये दुख की बात है, लोग संसद की मर्यादा भूल गए हैं। उन्होंने कहा, लोकतंत्र का मंदिर अब अखाड़ा बन गया है। इन दिनों क्या कुछ देखने को नहीं मिल रहा है, क्या कुछ सुनने को नहीं मिल रहा है। जिस तरह के दृश्य हम अपनी संसद में देखते हैं, वह निश्चित रूप से देश में किसी के लिए भी प्रेरणादायक नहीं है। धनखड़ ने कहा, हमें लोकतंत्र की जननी होने पर गर्व है, लेकिन जो देखने को मिल रहा है, उसे कही से भी जायज नहीं ठहराया जा सकता। देश में राजनीतिक माहौल बेहद चिंताजनक है। राजनीतिक दल राष्ट्रवाद, सुरक्षा या विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श नहीं करते हैं। टकराव का रुख मजबूत हो रहा है, अशांति को राजनीतिक रणनीति के तौर पर हथियार बनाया गया है। हर तरफ से जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जाता है, वह न केवल भारतीय मानस को कमजोर करती है, बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता को भी धूमिल करती है।

अंग्रेजों का पुल चला 108 साल, भारतीयों का 58 वर्ष तक ही चलेगा

नई दिल्ली। भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज, पंबन ब्रिज का जल्?द ही उद्घाटन होने वाला है। 2.07 किलोमीटर लंबा यह ब्रिज रामेश्वरम द्वीप को मुख्य भूमि से जोड़ता है। यह पुल आधुनिक इंजीनियरिंग और तकनीक का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। रेलवे के अनुसार, इसे भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। नव-निर्मित पंबन ब्रिज 108 साल पुराने पुल का स्थान लेगा। खास बात यह है कि नए पुल की आयु पुराने पुल से कम होगी, जबकि इसे आधुनिक तकनीक से बनाने का दावा किया गया है। गौरतलब है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने भी इस पुल के निरीक्षण के दौरान पुल के संक्षारण-रोधी उपायों पर सवाल उठाए थे।

पटना में पकड़ा गया दिव्यांग चोर निकला करोड़पति, 13 साल से कर रहा चोरी

पटना। बिहार पुलिस ने एक करोड़पति चोर को पकड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी दिव्यांग है, उसने पटना के हर इलाके में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। अब तक वह अकेले करोड़ों के जेवरात और कैश चुरा चुका है। रविवार शाम उसे पटना के नेहरू नगर इलाके में चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा था। पुलिस ने केस दर्ज कर उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक रविवार की शाम पाटलीपुत्र इलाके थाना क्षेत्र के नेहरू नगर में लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। लोगों ने पुलिस को बताया कि एक चोर चोरी के इरादे से एक व्यक्ति के घर में घुसा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी दिव्यांग था। उसका नाम पूछा तो उसने दिनेश उर्फ लंगड़ा बताया। पुलिस ने जब आरोपी के बारे में पता किया तो सामने आया कि उसने पटना के सभी थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी से एक और सदस्य बीमार, चंडीगढ़ किया रेफर

* **प्रशासन द्वारा उपलब्ध खाद्य पदार्थो का ही सेवन करने के आदेश जारी**

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी के बदहाल गांव में 17 मौतों के बाद मंगलवार को पीड़ित परिवार का एक और सदस्य बीमार पड़ गया। उसे गंभीर हालम में चंडीगढ़ रेफर किया गया है। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट राजौरी ने बदहाल गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है। आदेश के तहत पूरे बदहाल क्षेत्र को तीन जोनों में बांटा गया है। यह कदम प्रभावित परिवारों और उनके करीबी संपर्कों की निगरानी और नियंत्रण रणनीति पर केंद्रित है।

पहले जोन में उन परिवारों के घरों को सील कर दिया जाएगा, जहां मौतें हुई हैं। इन घरों में किसी को भी जाने की इजाजत नहीं होगी, जब तक कि संबंधित अधिकारी इजाजत न दें। दूसरे जोन में उन परिवारों को शामिल किया है जो प्रभावित व्यक्तियों के करीबी संपर्क में आए हैं। इन परिवारों के सदस्यों को जीएमसी राजौरी में शिफ्ट किया जाएगा, ताकि उनकी स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी की जा सके। तीसरा जोन बदहाल गांव के सभी घरों को कवर करता है। इसमें प्रशासन यह तय करेगा कि लोग केवल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए खाद्य पदार्थों का सेवन करें। पुलिस यह भी तय करेगी कि लोग बदले हुए खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें। प्रत्येक खाद्य वितरण और खपत को लॉगबुक में दर्ज किया जाएगा। यह लॉगबुक रोज तीन बार अपडेट की जाएगी और संबंधित अधिकारी के इस पर हस्ताक्षर होंगे। वहीं तीनों कंटेनमेंट जोनों के तहत किसी भी प्रकार के सार्वजनिक या निजी कार्यक्रमों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। प्रभावित परिवारों और उनके करीबी संपर्कों को केवल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन और पानी का ही सेवन करना होगा। संक्रमित घरों में रखे सभी खाद्य पदार्थों को प्रशासन द्वारा जब्त किया जाएगा और उन्हें नए खाद्य पदार्थों से बदल दिया जाएगा। जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस, स्वास्थ्य और खाद्य वितरण विभागों को आदेश दिया है कि इस आदेश को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए।

दूसरे देशों की तरह प्रवासी भारतीयों को संसद में प्रतिनिधित्व देने की उठी मांग, जल्द आएगा बिल !

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के अन्य देशों की तर्ज पर अब भारत में भी प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) को संसद में प्रतिनिधित्व देने की मांग उठी है। जिसके जवाब में विदेश मंत्रालय का कहना है कि अप्रवासन के मामले पर मंत्रालय में एक बिल की तैयारी में चर्चा जारी है। दरअसल मंगलवार को शशि थरूर की अध्यक्षता में मंत्रालय की विदेश मामलों की संसदीय समिति की एक बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रवासियों की बढ़ती संख्या और डायसपोरा से जुड़े हुए मामलों को देखते हुए एनआरआई को संसद में प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दिया।

सूत्रों ने बताया कि हुड्डा ने अपने सुझाव के पीछे यह तर्क दिया कि एनआरआई को संसद में प्रतिनिधित्व देने से उनसे जुड़े मामलों पर बेहतर ढंग से विचार किया जा सकेगा। उन्होंने इटली का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों को विधानमंडल में आरक्षण दिया है। बैठक में मामले पर राज्य सरकारों से विमर्श करने का सुझाव भी दिया गया। इसके अलावा प्रवासियों से संबंधित कई अन्य मामले समिति की चर्चा में शामिल हुए।

बैठक के बाद शशि थरूर ने कहा कि प्रवासियों को लेकर व्यापक रूप से काम कर रहे चार संगठनों के साथ समिति ने विचार-विमर्श किया, समिति के सदस्य सांसदों ने बातचीत में पूर्ण सहभागिता की। कई प्रश्न-उत्तर के साथ जीवंत संवाद हुआ। संगठनों ने बैठक के दौरान कई अच्छे सुझाव दिए। जिसमें केरल के एक संगठन ने कहा कि भारतीय संगठन लोगों को विदेशी जरूरतों को लेकर कौशल प्रदान कर सकता है। यह कुशल कर्मियों के अप्रवासन को सुचारू करेगा और अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगेगी। इसमें लोगों के अवैध रूप से विदेशों में बसने पर भी रोक लगेगी। नोरका रूट्स (केरल), पंजाब सरकार का एनआरआई मामलों का विभाग, पीपल ऑफ इंडियन ओरिजिन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीआईओसीसीआई), दिल्ली एंड द सेंटर फॉर डायस्पोरा स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात जैसे संगठनों की बैठक में भागीदारी रही।

एक लाख से अधिक हैं पंजीकृत प्रवासी मतदाता

चुनाव आयोग के वर्ष 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल पंजीकृत विदेशी मतदाताओं की संख्या 1 लाख 19 हजार 374 थी। इनमें केरल में सबसे ज्यादा 89 हजार 839 विदेशी मतदाता पंजीकृत हुए थे। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 99 हजार 844 थी। इसके अलावा मतदान के दौरान प्रवासी भारतीय मतदाताओं की रुचि वोट डालने में बेहद कम नजर आती है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में 1 लाख 19 हजार 374 में से केवल 2 हजार 958 मतदाता ही मतदान करने के लिए भारत आए थे। इनमें से 2 हजार 670 अकेले केरल से थे। जबकि कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे कई राज्यों में विदेश मतदाताओं का मतदान में कोई योगदान नहीं देखा गया। महाराष्ट्र में 5 हजार 97 प्रवासी मतदाताओं में से 97 ही चुनाव में अपना वोट डालने के लिए स्वदेश पहुंचे।

ममता सरकार की याचिका पर हाईकोट... आरोपी संजय, पीड़ित परिवार और सीबीआई को सुनेंगे

-सीबीआई ने कहा: बंगाल सरकार के पास याचिका दाखिल करने का कोई अधिकार नहीं

कोलकाता ।आरजी कर रेप-मर्डर केस में दोषी संजय रॉय की सजा के खिलाफ बंगाल सरकार की अपील पर फैसला करने से पहले कलकत्ता हाईकोर्ट दोषी संजय, पीड़ित परिवार और सीबीआई को सुनेगा। बुधवार को हाईकोर्ट ने कहा कि बंगाल सरकार की याचिका मंजूर करने से पहले कहा कि हम इन पक्षों की बात सुनने के बाद भी इस पर फैसला होगा। सुनवाई 27 जनवरी को होगी। ममता सरकार ने अपील में कहा था कि संजय रॉय ने जो अपराध किया है, उसके लिए उम्रकैद की सजा पर्याप्त नहीं है। संजय को फांसी दी जानी चाहिए। सियालदह कोर्ट ने 20 जनवरी को संजय को मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जस्टिस अनिर्बान दास ने कहा था कि यह मामला रेयरस्ट ऑफ रेयर कैटेगरी में नहीं आता, इसकारण फांसी की सजा नहीं दी गई है। वहीं हाईकोर्ट में जस्टिस देबांगशु बसक और जस्टिस मो. शब्बार राशिदी की बेंच के सामने सीबीआई के वकील ने बंगाल सरकार के याचिका दाखिल करने के अधिकार का विरोध किया। सीबीआई के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल राजदीप मजूमदार ने कहा कि बंगाल सरकार के पास याचिका दाखिल करने का कोई अधिकार ही नहीं है।

हिमाचल में बर्फबारी: आधा दर्जन राज्यों में होगी बारिश, दस्तक देगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल में हुई बर्फबारी के बाद आधा दर्जन राज्यों में बारिश और हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड फिर दस्तक देने वाली है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक, 23 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर बारिश और बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि 22 जनवरी को राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, 22 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ बारिश की संभावना है।

जहां तक दिल्ली-एनसीआर की बात है तो यहां 23 जनवरी के बाद ठंड बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि 24 जनवरी को सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर कोहरा छाने की संभावना है। इसे देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, कुछ स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा भी छाने की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान 18 जबकि न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश में बुधवार-गुरुवार को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि उसके बाद 27 जनवरी तक मौसम शुष्क रहेगा। स्थानीय मौसम कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि हंसा और काजा में क्रमशः 2.5 सेमी और 0.8 सेमी बर्फबारी हुई। राज्य के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहा।

पंजाब के अमृतसर में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। लुधियाना में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था, जबकि पटियाला में न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री दर्ज किया गया। पठानकोट, गुरदासपुर, फिरोजपुर और मोहाली में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक क्रमशः 8.6 डिग्री, 8 डिग्री, 8.1 डिग्री और 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, बठिंडा और फरीदकोट में रात काफी ठंडी रही और न्यूनतम तापमान क्रमशः 6.4 डिग्री तथा 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा और पंजाब के अधिकतर स्थानों पर मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था। हरियाणा के अंबाला में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था। हिसार, कर्नाल, रोहतक, नारनौल, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक क्रमशः 8.3 डिग्री, 8 डिग्री, 9.3 डिग्री, 7.8 डिग्री, 9.5 डिग्री और 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्रीलंका ने भारतीय मछुआरों को छोड़ा, अधिकारियों ने की गृहनगर पहुंचाने की व्यवस्था

चेन्नई (एजेंसी)। श्रीलंका ने 41 भारतीय मछुआरे को रिहा कर दिया है। श्रीलंका की नौसेना ने इन मछुआरों को 8 सितंबर, 2024 को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा रिहा किए जाने के बाद मछुआरे मंगलवार देर रात चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचे। तमिलनाडु तटीय पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 41 मछुआरों में से 35 रामनाथपुरम के रहने वाले हैं, जबकि अन्य नागपट्टिनम और पुदुकोट्टई जिलों के हैं। स्वदेश लौटने पर मछुआरों को नागरिकता सत्यापन, सीमा शुल्क जांच और अन्य औपचारिकताओं से गुजरना होगा।

तमिलनाडु मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने मछुआरों का स्वागत किया और उनके गृहनगरों तक पहुंचाने के लिए परिवहन की व्यवस्था की। इससे पहले श्रीलंका ने तमिलनाडु के 15 मछुआरों के एक समूह को रिहा किया था, जो 16 जनवरी को चेन्नई पहुंचा था। भारतीय मछुआरों की बार-बार गिरफ्तारी एक बड़ा मुद्दा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में भारत यात्रा पर आए श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके के साथ चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठाया था। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भी केंद्र सरकार से लगातार गिरफ्तारियों पर रोक लगाने और राज्य के मछुआरों की सुरक्षा तय करने का आग्रह किया। तमिलनाडु के मछुआरा संघों ने तटीय जिलों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए और निर्णायक कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र लिखकर उनसे बीच समुद्र में होने वाली गिरफ्तारियों और नावों की जब्ती पर रोक लगाने का आग्रह किया था। पट्टाली मक्कल कच्ची के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास ने भी आगे की हिरासतों को रोकने के लिए भारत सरकार से कड़े हस्तक्षेप की मांग की थी। वर्तमान में तमिलनाडु के 504 भारतीय मछुआरे और 48 मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं के साथ श्रीलंका की हिरासत में हैं।

इसरो ने जारी की महाकुंभ मेले की तस्वीरें, अंतरिक्ष से रडारसैट से ली गई सभी तस्वीरें

प्रयागराज ।महाकुंभ मेला प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित हो रहा है। मेले की इसरो ने उन्नत तकनीकों का उपयोग कर, उपग्रह के माध्यम से तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में टेंट सिटी, पांटून पुल और संगम आदि को दिखाया गया है। इसरो ने महाकुंभ मेले की तस्वीरें अंतरिक्ष से भेजी हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने महाकुंभ मेले की तस्वीरें ली हैं। यह मेला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। हैदराबाद के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) ने ये तस्वीरें ली हैं। उन्होंने भारत के आधुनिक ऑप्टिकल उपग्रहों और दिन-रात देखने वाले रडारसैट का उपयोग किया है। इन तस्वीरों से अस्थायी टेंट सिटी और नदी पर बने पांटून पुलों को देखा जा सकता है। एनआरएससी के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान ने बताया कि उन्होंने रडारसैट का इस्तेमाल किया, क्योंकि यह बादलों के बीच से भी तस्वीरें ले सकता है। प्रयागराज बादलों से घिरा हुआ था। बैंड माइक्रोवेव उपग्रह ने 15 सितंबर, 2023 और 29 दिसंबर, 2024 को तस्वीरें लीं। इस उपग्रह में हर मौसम में तस्वीरें लेने की क्षमता है। इसकी तस्वीरें बहुत साफ होती हैं। इन तस्वीरों से टेंट सिटी, पांटून पुलों और अन्य ढांचे के बारे में जानकारी दी गई है। नए शिवालय पार्क का निर्माण भी अंतरिक्ष से दिख सकता है।

केंद्र में जल्द मोदी के साथ नजर आएंगे उद्धव ठाकरे-शरद पवार, पूर्व मंत्री के दावे से मची सियासी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। बीते कुछ वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में कई राजनीतिक समीकरण बदले हैं। आगे महाराष्ट्र की राजनीति में क्या होगा? यह कहा नहीं जा सकता। आलम यह है कि राज्य की राजनीति में हमेशा अनिश्चितता बनी रहती है और कब कौन पाला बदल लेगा यह अनुमान कर पाना भी मुश्किल रहता है। अब राज्य के पूर्व राज्यमंत्री बच्चू कडू ने एक बड़ा दावा किया है। उनके इस दावे से राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ गई है। दरअसल बच्चू कडू ने दावा किया है कि देश में सबसे बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल शरद पवार और उद्धव ठाकरे को लेकर होगी और शरद पवार और उद्धव ठाकरे जल्द ही केंद्र में भाजपा सरकार में शामिल होते नजर आएंगे। बच्चू कडू के इस दावे से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। क्या राज्य की राजनीति और खासकर महाविकास अघाड़ी में कोई भूचाल आएगा? राजनीतिक हलकों में ऐसी चर्चाएं होने लगी है। बच्चू कडू ने आगे कहा कि जिस तरह से नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू ने एक-दो बिल पास कराने के लिए भाजपा के साथ बने रहे, भाजपा फिलहाल उनके जाने के बाद अपनी सुविधा देख रही है और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और उद्धव ठाकरे की उभरती शिवसेना ही मुख्य भूमिका में हैं। क्योंकि, इन दोनों पार्टियों के सांसदों की संख्या को देखते हुए शिवसेना (ठाकरे) के सांसद संजय राउत का बयान यही दर्शाता है। बच्चू कडू ने यह भी कहा कि संजय राउत का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि अब जब हम फिर से सत्ता में आ रहे हैं तो कोई भी पार्टी छोड़कर न जाए। बच्चू कडू ने भाजपा की भी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा, फिलहाल भाजपा के लिए एकनाथ शिंदे और अजित पवार की जरूरत खत्म हो चुकी है और भाजपा की नीति मुगलिया है। बच्चू कडू ने भाजपा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि भाजपा की नीति है कि जो भी उनसे दूर जाता है, उसे काट दिया जाता है।

बच्चू कडू ने कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे की भी आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में जो सरकार आई है, वह भ्रष्ट रास्ते से आई है और अगर यहां के मंत्री खुलेआम भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं, तो उन्हें बधाई दी जानी चाहिए। एकनाथ शिंदे की नाराजगी के बारे में बात करते हुए बच्चू कडू ने यह भी दावा किया है कि जब बड़े नेता नाराज होते हैं, तो इसका मतलब है कि वे बहुत खुश हैं और जब वे बहुत खुश होते हैं, तो वे बहुत नाराज होते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पत्रकार ने खुद के अपहरण का रचा नाटक, गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के एक पत्रकार को सिंध प्रांत में संपत्ति कब्जाने के लिए अपने अपहरण का नाटक रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सिंध सूबे के खैरपुर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि वरिष्ठ पत्रकार फैयाज सोलंगी को उसके एक अन्य रिश्तेदार व कुख्यात डाकू मजहर सोलंगी के साथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि सोलंगी ने अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर अपने अपहरण की झूठी कहानी रची थी। खैरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तौहीद मेमन ने कहा, ''पिछले हफ्ते जब खैरपुर से एक पत्रकार के अपहरण की खबर आई और विरोध प्रदर्शन और धरने हुए, तो पुलिस की प्रतिष्ठा दांव पर लग गई। गहन जांच की गई और असलियत सामने आई। मेमन ने कहा कि अपहरण का नाटक पुलिस से फैयाज के चचेरे भाइयों को गिरफ्तार करवाने के लिए किया गया था, जिनके साथ उसका संपत्ति विवाद था। उन्होंने बताया कि फैयाज ने मजहर से संपर्क किया और दोनों ने मिलकर अपहरण की झूठी कहानी रची। मेमन ने बताया, '' फैयाज ने डकैतों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के वीडियो भी मीडिया को भेजे और सोशल मीडिया पर पोस्ट किए, ताकि पुलिस पर अपने चचेरे भाइयों को गिरफ्तार करने के लिए दबाव बढ़ाया जा सके जिसे उनके रिश्तेदार ने प्राथमिकी में नामजद किया था।

10 साल के बेटे पर बैठ गई डेढ़ क्विंटल की मां, हुई मौत, कोर्ट ने सुनाई 6 साल की सजा

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के इंडियाना राज्य से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। एक डेढ़ क्विंटल की मां को अपने ही 10 साल के बेटे की हत्या करने के आरोप में सजा सुनाई गई है। महिला ने अपने बेटे के ऊपर बैठकर उसकी जान ले ली। इस मामले में कोर्ट ने महिला को 6 साल की सजा सुनाई गई है। यह मामला इंडियाना के एक छोटे से शहर का है जहां 48 साल की जेनिफर ली विल्सन ने अपने 10 साल के बेटे डकोटा लेवी स्टीवंस के ऊपर लेटकर उसकी जान ले ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टीवंस शैतानी कर रहा था और जेनिफर उसे शांत करने के लिए उसके ऊपर लेट गई। महिला का वजन 154 किलोग्राम से ज्यादा था और वह लगभग 5 मिनट तक बेटे के पेट पर लेटी रही। इस दौरान बच्चे की सांस रुक गई और वह बेहोश हो गया। जेनिफर ने पुलिस को बताया कि जब वह अपने बेटे को शांत करने के लिए उसके ऊपर लेटी थी तो उसे लगा कि वह बच्चे को पकड़ रही है लेकिन 5 मिनट बाद जब बच्चे ने हिलना-डुलना बंद कर दिया तब उसे यह एहसास हुआ कि कुछ गलत हो गया है। पुलिस जब जेनिफर के घर पहुंची तो बच्चे की सांसें नहीं चल रही थीं। डॉक्टरों ने अस्पताल में दो दिन बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में जेनिफर ली विल्सन ने हत्या की कोशिश के आरोप को स्वीकार किया और बताया कि उसने जानबूझकर अपने बेटे की हत्या नहीं की थी लेकिन उसके लापरवाही से बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद उसे 6 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। जेनिफर का वजन 154 किलोग्राम था जबकि उसके बेटे का वजन सिर्फ 40 किलोग्राम था। शव परीक्षण से पता चला कि स्टीवंस की लंबाई 4 फुट 10 इंच थी और उसका वजन 40 किलोग्राम था जबकि जेनिफर की लंबाई 4 फुट 11 इंच थी। इस मामले ने सभी को चौंका दिया है कि कैसे एक माता-पिता अपने बच्चे के साथ ऐसा कर सकते हैं।

वर्मोंट में अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल एजेंट की हत्या, जांच जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। सोमवार को उत्तरी वर्मोंट में कनाडाई सीमा के पास एक अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल एजेंट की हत्या कर दी गई, अधिकारियों ने बताया। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के यूएस कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन ने एक बयान में कहा कि एजेंट कर्तव्य के दौरान मारे गए, हालांकि उन्होंने और जानकारी नहीं दी। वर्मोंट राज्य पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार दोपहर को कोवेंट्री में हुई, जो कनाडा सीमा से लगभग 32 किमी दूर है। राज्य पुलिस अधिकारियों ने फेडरल अधिकारियों, जैसे एफबीआई और होमलैंड सिक्योरिटी की मदद की। साथ ही इस घटना के बाद, राजमार्ग का एक हिस्सा दोनों दिशाओं में लगभग दो घंटे के लिए बंद कर दिया गया।

नेपाल सरकार ने की 31 को संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने की सिफारिश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने सोमवार को संसद का शीतकालीन सत्र 31 जनवरी को बुलाने की सिफारिश की। कानून और न्याय मंत्री अजय कुमार चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से 31 जनवरी को संसद सत्र बुलाने का अनुरोध किया है। बता दें कि विपक्षी पार्टियां सरकार पर संसद सत्र जल्दी बुलाने का दबाव बना रही हैं, उनका कहना है कि यह पहले ही देरी हो चुकी है।

भारत के दुश्मन पर ट्रंप ने साइन किया फैसला, भीड़ की तरफ उछाल दिया पेन, जानें आ गए किसके बुरे दिन !

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ले ली है। ट्रंप के इनोग्रेशन डे पर हरेक मूवमेंट सबसे खास था। सबसे खास था शपथ लेने के साथ ही लिए गए वो फैसले जिसका अंतर पूरी दुनिया में पड़ने वाला था। इसके साथ ही उन डॉक्यूमेंट पर साइन करने वाला वो पेन भी बहुत खास था जिसे ट्रंप ने भीड़ की तरफ उछाल दिया था। चार साल के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में ऐतिहासिक वापसी की है। 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेते ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले किए। चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने जो भी ऐलान किए थे, उसे अब वो कुछ हद तक पूरा करते हुए नजर आ रहे हैं। अपने पहले एक्सीक्यूटिव ऑर्डर्स में एक के बाद एक ताबड़तोड़ फैसले लेकर पूरी दुनिया को हिलाने वाले ट्रंप ये फैसला कर चुके हैं कि वो मैक्सिको और कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। अमेरिका में फिर एक बार इस बात को लेकर उथल पुथल शुरू हो गई है कि क्या वाकई ट्रंप ये करने जा रहे हैं? ट्रंप ने फैसला ले लिया है यानी डिसीजन फाइनल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सत्ता पर काबिज होने के साथ ही ये तय कर चुके हैं कि 1 फरवरी की शुरुआत से मैक्सिको और कनाडा पर 25 प्रतिशत का टैक्स लगाया जाएगा।

ट्रंप ने 1 फरवरी से कनाडा और मेक्सिको से आने वाली चीजों पर 25त्न आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का आदेश दिया। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश से ये फैसले लिए। यह आदेश संसद से पास कानून के वरावर होते हैं, लेकिन इन्हें बाद में आने वाले राष्ट्रपति या कोर्ट पलट सकते हैं। अमेरिकी संसद के उच्च सदन सेनेट ने भी एक विल पास किया, जिसके तहत चोरी और हिंसा के आरोपी प्रवासियों को हिरासत में लेना होगा। ट्रम्प ने कहा कि कनाडा और मैक्सिको पर एक फरवरी से शुल्क लागू हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किया है जिसमें एक अप्रैल तक वित्त मंत्री द्वारा समन्वित रिपोर्ट का अनुरोध किया गया है।

जस्टिन टूडो और डैनियल स्मिथ ने तर्क दिया कि कनाडा ऊर्जा महाशक्ति है, जिसके पास तेल और महत्वपूर्ण खनिज भंडार है और ट्रंप के संकल्प के मुताबिक अमेरिका को तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कनाडा की इस संपदा की आवश्यकता होगी। कनाडा में विनिर्माण और ऑटोमोबाइल के केंद्र, ओंटारियो के प्रमुख डग फोर्ड ने कहा कि कारोबारी मुकाबला 100 प्रतिशत होने वाला है। फोर्ड ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के साथ साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप ने कनाडा पर आर्थिक युद्ध की घोषणा की है और हम अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए हर वह तरीका आजमाएंगे जो हम आजमा सकते हैं। टूडो ने कहा कि अगर आवश्यक हुआ तो कनाडा जवाबी कार्रवाई करेगा।

ट्रंप ने कहा- रुस को बर्वाद करने में जुटे हैं राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

वाशिंगटन(ईएमएस)। नवागत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत से इनकार कर रूस को बर्वाद कर रहे हैं। यह युद्ध फरवरी 2022 में शुरू हुआ था। सोमवार को ओवल ऑफिस लौटने पर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने पुतिन से शांति समझौते की मांग की और इस बात पर जोर दिया कि लंबे समय से चल रहा संघर्ष रूस पर भारी पड़ रहा है। ट्रंप ने कहा, पुतिन को समझौता करना चाहिए। मुझे लगता है कि समझौता न कर वे रूस को बर्बाद कर रहे हैं। रूस बड़ी मुसीबत में पड़ने वाला है।

अब कोलंबिया में आपातकाल लगाने की तैयारी, राष्ट्रपति पेट्रो बोले- हिंसा रोकने के लिए उठाएंगे सख्त कदम

कोलंबिया, एजेंसी। कोलंबिया में जारी हिंसा को खत्म करने के लिए बागी गुट के साथ चल रही शांति वार्ता नाकाम होने के बाद राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने आपातकाल लागू करने की तैयारी कर ली है। उन्होंने एक्स पर संदेश में इसका जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाएंगे। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने कहा कि वह देश के उत्तर पूर्व में लगातार हो रहे गुरिल्ला हमलों के बाद आंतरिक उथल-पुथल की स्थिति की घोषणा करेंगे। मुझे उम्मीद है कि न्यायिक प्रणाली हमारा समर्थन करेगी। कोलंबिया के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति और उनका मंत्रिमंडल जब डिक्री पर हस्ताक्षर कर देगा तो आपातकाल प्रभावी हो जाएगा, लेकिन इसे कोलंबिया की अदालत अमान्य कर सकती है। हालांकि इस आपातकाल का इस्तेमाल कांग्रेस को निलंबित करने और नागरिक अधिकारों को खत्म करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

दरअसल कोलंबिया में शांति वार्ता नाकाम होने के बाद हिंसा का दौर जारी है। इस हिंसा में अब तक 80 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और दो दर्जन के करीब लोग घायल हुए हैं। हिंसा के चलते हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। हिंसा कोलंबिया के कैटाटुम्बो क्षेत्र में हो रही है। हिंसा को देखते हुए राष्ट्रपति पेट्रो ने विद्रोही समूह नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) को चेतावनी दी थी कि उनकी सेना कार्रवाई करेगी। पेट्रो ने एक्स पर लिखा कि ईएलएन ने युद्ध का रास्ता चुना है तो उनको यही मिलेगा। उन्होंने ईएलएन अब मादक पदार्थों की तस्करी करने वाला समूह बन गया है। ईएलएन शांति और लोगों से पूरी तरह से अलग हो गया है। पेट्रो ने 2022 में ईएलएन के साथ शांति वार्ता शुरू की थी, लेकिन कई मुद्दों पर असहमति के चलते वार्ता रुक गई है। कैटाटुम्बो क्षेत्र कोकीन बनाने और तस्करी के लिए बदनाम है। इस इलाके में प्रभाव रखने वाले दो सशस्त्र संगठन नेशनल लिबरेशन आर्मी और कोलंबिया मार्क्ससिस्ट रिवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेस गुट के बीच यह हिंसा हो रही है। इन दोनों गुटों के बीच शांति की कोशिश की जा रही थी।

सीनेट ने मार्को रूबियो को विदेश मंत्री बनाने की दी मंजूरी, ट्रंप कैबिनेट के पहले सदस्य बने

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने मार्को रूबियो को देश का अगला विदेश मंत्री बनाने की मंजूरी दे दी है। सीनेट ने सर्वसम्मति से मार्को रूबियो का नाम मंजूर किया। इसके साथ ही ट्रंप की कैबिनेट में जगह पक्की करने वाले मार्को रूबियो पहले नेता बन गए हैं। सीनेट के सभी 99 सदस्यों ने रूबियो का समर्थन किया। इनमें खुद रूबियो का नाम भी शामिल है। ओहायो से सीनेटर जेडी वेंस, जो अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति हैं, वे सीनेट से इस्तीफा दे चुके हैं। यही वजह रही कि सीनेट की एक सीट खाली है और सिर्फ 99 सदस्यों ने मतदान किया।

मार्को रूबियो लैटिन अमेरिकी मूल के नेता हैं और साल 2011 से फ्लोरिडा से सीनेटर हैं। रूबियो को चीन का कट्टर विरोधी माना जाता है और यही वजह है कि उन्हें चीन ने साल 2020 में प्रतिबंधित भी कर दिया था। रूबियो सीनेट की खुफिया मामलों की समिति के भी सदस्य रहे हैं। लैटिन मूल के रूबियो पहले नेता हैं, जो अमेरिका के विदेश मंत्री पद तक पहुंचे हैं, साथ ही अमेरिका के 72वें विदेश मंत्री होंगे। सीनेट की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जिम रीच ने रूबियो की तारीफ की और कहा कि जब अमेरिका कई चुनौतियों से जूझ रहा है और उसके दुश्मन उसे कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

विवेक रामास्वामी ट्रंप के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का हिस्सा नहीं होंगे, नई भूमिका की तैयारी

वाशिंगटन , एजेंसी। उद्यमी विवेक रामास्वामी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का हिस्सा नहीं होंगे। उन्हें व्हाइट हाउस में नए सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। हालांकि अब इस भूमिका को नहीं निभाएंगे। क्योंकि वह ओहायो के गवर्नर चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने दी। अब डीओजीई की जिम्मेदारी एलन मस्क को दी गई है, जिन्हें सोमवार दोपहर व्हाइट हाउस में देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि मस्क को व्हाइट हाउस पास दिया गया है, और वह वेस्ट विंग से काम करेंगे। ट्रंप-वैन्स ट्रांजिशन की प्रवक्ता एना केली ने कहा, विवेक रामास्वामी ने डीओजीई की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि गवर्नर चुनाव में उतरने की इच्छा के चलते विवेक ने इस कमेटी से अलग होने का फैसला किया है। केली ने कहा, उनकी योजना जल्द ही चुनाव लड़ने की है, जिसके कारण उन्हें डीओजीई से बाहर रहना होगा। हम उनके योगदान के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे अमेरिका को महान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डीओजीई से अलग होने के बाद रामास्वामी ने इसका हिस्सा बने रहने के लिए सम्मान बताया और अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर जल्द घोषणा करने की बात कही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, डीओजीई की स्थापना में सहयोग करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। मुझे भरोसा है कि एलन और उनकी टीम सरकार को बेहतर बनाने में सफल होंगे।

उन्होंने आगे कहा, मैं ओहायो में भविष्य की योजनाओं पर जल्द ही कुछ और साझा करूंगा। सबसे महत्वपूर्ण बात, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मिलकर अमेरिका को महान बनाने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। रामास्वामी और स्पेसएक्स व टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को पिछले नवंबर में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक नई पहल का नेतृत्व करने के लिए चुना था। इस पहल का मकसद व्हाइट हाउस और उसके प्रबंधन व बजट कार्यालय के साथ मिलकर काम करना है। 39 वर्षीय रामास्वामी पहले रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रह चुके हैं। उन्हें पिछले महीने सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। इस पोस्ट में उन्होंने तर्क दिया था कि अमेरिकी संस्कृति औसत दर्जे की चीजों का जश्न मना रही है। ओहायो के निवासी रामास्वामी का नाम उस समय चर्चा में आया जब उन्हें अमेरिकी सीनेट में उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस की जगह लेने के लिए संभावित उम्मीदवार माना जा रहा था। हालांकि, गवर्नर माइक डेवाइन ने इसके लिए लेफ्टिनेंट गवर्नर जॉन हस्टेड को चुना। जब एक्स पर एक रामास्वामी पैरोडी अकाउंट ने दावा किया कि वह ओहायो में गवर्नर का चुनाव लड़ने वाले हैं, तो असली रामास्वामी ने जवाब दिया था।

ट्रंप सरकार में बिना वैध कागज अमेरिका में रहना मुश्किल...
18 हजार भारतीयों को लेकर सरकार चिंतित

-अमेरिका इन भारतीयों को नई दिल्ली वापस भेज सकता

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आते ही अवैध प्रवासियों पर एक्शन शुरू कर दिया है। इससे अमेरिका में रह रहे वैसे प्रवासी डर में हैं जिनके कागज यानी कि वीजा दस्तावेज पूरे नहीं हैं। इन लोगों ने कानूनी विकल्पों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इस बात को लेकर भारत में भी चिंता है। अमेरिकी प्रशासन की ओर से तैयार दस्तावेजों के अनुसार अमेरिका में करीब 18 हजार वे भारतीय हैं जिनके पास अमेरिका में रहने के लिए पर्याप्त वैध दस्तावेज नहीं हैं। ट्रंप प्रशासन इन भारतीयों को नई दिल्ली वापस भेज सकता है।

यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम इनफोर्समेंट (आईसीआई) के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2024 तक 20407 लोग थे, जिन्हें अमेरिका बगैर दस्तावेजों अथवा अधूरे दस्तावेजों के बताता है। इन भारतीयों पर ही ट्रंप प्रशासन की पैनी नजर है इसमें 2,467 भारतीय यूएस इमिग्रेशन के डिटेंशन कैंप में बंद हैं। जबकि 17,940 भारतीय को अमेरिका पेपरलेस बताता है।

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में भारतीय तीसरे इसतरह के सबसे बड़े समुदाय हैं जिन्हें अमेरिका बिना दस्तावेज वाले प्रवासी मानता है। मामले में नंबर एक अमेरिका के पड़ोसी मैक्सिकन और दूसरे नंबर पर सल्वाडोर के नागरिक हैं।

आईसीआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार चार साल में डिपोर्ट किए जाने वाले भारतीयों की संख्या 5 गुना बढ़ गई है। अमेरिका ने 2021 में 292 भारतीयों को डिपोर्ट किया था 2024 में ये संख्या 1529 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार 6 दिसंबर को विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया था कि अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2023 से अक्टूबर 2024 के बीच अमेरिका ने 519 भारतीयों को डिपोर्ट किया है।

क्या होता है फाइनल रिमूवल ऑर्डर

रिमूवल ऑर्डर आव्रजन (इमिग्रेशन) न्यायाधीश द्वारा जारी किया जाता है। जब प्रवासी की अर्जी पर सुनवाई करने वाला अपीलीय प्राधिकारी आदेश की पुष्टि कर देता है, तब फिर ये अंतिम निष्कासन आदेश यानी कि फाइनल रिमूवल ऑर्डर बन जाता है। अमेरिका में वर्तमान में 20407 भारतीय प्रवासी है। अमेरिकी कानून कहता है कि इन भारतीयों के पास अमेरिका में रहने के लिए पूरे कागज नहीं हैं।

अमेरिका में कितने अवैध प्रवासी

आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में 1 करोड 10 लाख से लेकर 1 करोड़ 40 लाख के बीच प्रवासी हो सकते हैं। हालांकि ट्रंप का मानना है कि ये संख्या 2 से 2.5 करोड़ हो सकती है। गौरतलब है कि अमेरिका की कुल आबादी ही 34 करोड़ है। ट्रंप प्रशासन ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले 6,55,000 व्यक्तियों के निर्वासन को प्राथमिकता दी है। इसके अलावा 14 लाख वे व्यक्ति हैं जिन्हें पहले ही रिमूवल ऑर्डर मिल चुका है।

आधी रात को आए सबसे शक्तिशाली भूकंप से थर्राया ताइवान, 15 से ज्यादा लोग घायल

ताइपे, एजेंसी। भूकंप के झटकों से एक बार फिर धरती हिल गई है। आज मंगलवार 21 जनवरी की सुबह भारतीय समयानुसार करीब 1:30 बजे ताइवान में भूकंप आया। ताइवान के दक्षिणी इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने भूकंप की पुष्टि की और कहा कि ताइवान में भूकंप में 15 लोग घायल हुए हैं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र ताइवान के युजिंग शहर से 12 किलोमीटर उत्तर में पाया गया। ताइवान अग्निशमन विभाग के अनुसार, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। वहीं, ताइनान शहर के नानक्सी जिले में भूकंप से नष्ट हुए एक घर के मलबे से 6 घायल लोगों को बचाया गया। भूकंप के प्रभाव से राज्य राजमार्ग पर बना झूवेई पुल भी क्षतिग्रस्त हुआ है, लेकिन किसी के मरने की खबर नहीं है।

भूकंप से ताइवान में भारी तबाही हुई है : मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल 2023 में भी ताइवान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। हुआलिएन शहर में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और एक हजार से अधिक लोग घायल हो गए। ताइवान प्रशांत महासागर में रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, इसलिए इस देश में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। क्योंकि ताइवान दो टेक्टोनिक प्लेटों के बीच स्थित है, यह भूकंप के सबसे संवेदनशील क्षेत्र में आता है। वर्ष 2016 में ताइवान में आए भूकंप में 100 से अधिक लोग मारे गए थे। वर्ष 1999 में ताइवान में 7.3 तीव्रता का भूकंप आया था और लगभग 2000 लोग मारे गए थे। इसलिए ताइवान की सरकार समय-समय पर लोगों को सचेत करती रहती है और वहां के लोग भूकंप जैसी आपदा से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। आपको बता दें कि 7 जनवरी को भारत के पड़ोसी देश तिब्बत में भीषण भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.8 थी। इतनी तीव्रता के भूकंप ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के पास स्थित शिगात्से शहर को मलबे के ढेर में बदल दिया। यह शहर चीन के कब्जे में है। भूकंप के कारण तिब्बत में लगभग 130 लोग मारे गए। इस भूकंप के बाद से आज तक तिब्बत में हर दिन भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इस भूकंप का केंद्र तिब्बत के टिंगरी काउंटी में पाया गया, जो माउंट एवरेस्ट से 80 किलोमीटर (50 मील) उत्तर में स्थित है, और भूकंप की लहरें लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर उठीं। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह करीब 9:05 बजे आया। भूकंप का असर चीन, नेपाल, भूटान और भारत के कुछ जिलों के साथ-साथ बांग्लादेश में भी महसूस किया गया।

ब्रिटेन में पुरुषों को अपनी बात कहने के लिए दिए जा रहे 8 मिनट

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में पुरुषों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक अनूठा प्रयोग किया जा रहा है। इस प्रयोग के तहत पुरुषों को अपनी बात कहने के लिए आठ मिनट का समय दिया जाता है। यह प्रयोग अब तक सफल हो रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। देशभर में ऐसे समूह बन रहे हैं, जहां पुरुष बिना किसी झिझक के अपनी समस्याएं साझा कर रहे हैं। इससे उनकी मानसिक सेहत में सुधार हो रहा है और वे डिप्रेशन जैसी समस्याओं से उबरकर जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो पा रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर बढ़ रही जागरूकता : ब्रिटेन की प्रमुख स्वास्थ्य एजेंसी एनएचएस के अनुसार, देश के 13प्रतिशत पुरुष मानसिक सेहत से संबंधित समस्याओं का सामना कर रहे हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में खुदकुशी करने की संभावना तीन गुना ज्यादा है। इसके अलावा अधिक शराब सेवन के कारण होने वाली मौतें भी पुरुषों में महिलाओं की तुलना में दोगुनी हैं। इस प्रकार की चिंताओं के मद्देनजर, ब्रिटेन में मेन्स सर्कल जैसे समूह तेजी से बढ़ रहे हैं, जो पुरुषों को अपनी बात कहने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। मेन्स सर्कल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पास्को एश्टन कहा- पुरुषों को मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं होती हैं, लेकिन इस विषय पर बातचीत नहीं होती। हम इन समूहों के माध्यम से पुरुषों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। ब्रिटिश लेखक जोएल गोल्बी ने भी जब ऐसे समूह से जुड़ने की शुरुआत की, तो उन्हें इसके प्रभाव को लेकर संदेह था। लेकिन जब उन्होंने 8 मिनट तक अपने दिल की बात की, तो उन्हें बहुत राहत मिली।

एंडीज मैन्स क्लबः एक प्रेरणादायक उदाहरण : ऐसा ही एक समूह एंडीज मैन्स क्लब है, जिसकी शुरुआत एलेन रॉबर्ट ने की थी। एलेन के बेटे एंड्रयू (23) ने खुदकुशी कर ली थी और इसके बाद उन्होंने यह क्लब शुरू किया। एलेन बताती हैं कि हर हफ्ते इस क्लब में 190 सपोर्ट ग्रुप में लगभग 4500 पुरुष जुड़ते हैं। यह सेवा पूरी तरह मुफ्त है और क्लब कॉफी और स्नैक्स का खर्च भी खुद उठाता है। ये छोटे समूह पुरुषों को एक सुरक्षित माहौल प्रदान करते हैं, जहां वे बिना किसी आलोचना के अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं। ग्रुप में एक सूत्रधार होता है, जो बातचीत को दिशा देता है, भागीदारी बढ़ाता है और गंभीर मुद्दों पर चर्चा सुनिश्चित करता है। इन समूहों में एक दूसरे से जुड़ने और अपनी भावनाएं साझा करने से पुरुषों को यह एहसास होता है कि वे अकेले नहीं हैं। लगातार मिलने से विश्वास बढ़ता है और रिश्ते मजबूत होते हैं, जिससे पुरुषों के लिए खुलकर बात करना आसान हो जाता है। ब्रिटेन के प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य एक्सपर्ट डॉ. ल्यूक सुलिवन कहते हैं, पुरुषों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एक शर्मिंदगी की बात मानी जाती है, जबकि उनकी बात सुनने से ही समस्या का समाधान हो सकता है। प्रगतिशील आदर्शों के नाम पर उन्हें चुप कराना, उनके मानसिक स्वास्थ्य को और बिगाड़ रहा है। हमें पुरुषों की भावनाओं को स्वीकारने की जरूरत है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

8 वाँ साल में शुभारंभ क्रांति समय मिडिया ग्रुप

(गांधीनगर) 'गुजरात : आनर्तपुर से एकता नगर तक - विरासत भी, विकास भी' की थीम पर आधारित झांकी

- नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' विषय पर प्रस्तुत करेगा गुजरात

गांधीनगर ।

'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' शीर्षक के अंतर्गत 76वें गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में गुजरात की ओर से जो झांकी प्रस्तुत की जा रही है, वह न केवल राज्य, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर और विकास के अभूतपूर्व संमिश्रण को अत्यंत प्रभावी तरीके से साकार कर रही है। गुजरात की झांकी में 12वीं सदी के वडनगर यानी आनर्तपुर के सोलंकी कालीन 'कीर्ति तोरण' से लेकर 21वीं सदी का अजूबा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ रक्षा, टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में राज्य की 'आत्मनिर्भरता' को प्रदर्शित करती विभिन्न विकास परियोजनाओं का प्रभावशाली निदर्शन किया गया है। गुजरात की झांकी के अगले हिस्से में सोलंकी काल में निर्मित वडनगर स्थित 12वीं सदी का गुजरात का सांस्कृतिक प्रवेशद्वार कहा जाने वाला 'कीर्ति तोरण' है, तो अंत में 21वीं सदी की शान, 182 मीटर ऊंची सरदार पटेल की प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को दर्शाया गया है, जो दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इन दोनों विरासतों के बीच गुजरात में विभिन्न क्षेत्रों में हुए शानदार विकास की प्रतिकृतियां हैं। जिसमें रक्षा, टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत गुजरात की विभिन्न परियोजनाओं को दर्शाया गया है। भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के 'जनजातीय गौरव' को प्रदर्शित करती पिथोरा चित्रों की श्रृंखला, पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी जी की 100वीं जयंती के प्रतीक के रूप में साबरमती रिवरफ्रंट के दोनों तटों को जोड़ने वाला 'अटल ब्रिज', द्वारका और शिवराजपुर बीच में आकार लेने वाले 'अंडर वाटर स्पोर्ट्स' की गतिविधियों के साथ मिट्टी और शीशे से बनी कच्छी कलाकृतियां झांकी को चार चांद लगा रही हैं। गुजरात की झांकी के अग्रभाग में 'यूनेस्को' की हेरिटेज साइट में शामिल आनर्तपुर यानी मौजूदा वडनगर शहर में स्थित 12वीं सदी का सोलंकी कालीन 'कीर्ति तोरण' दर्शाया गया है। इसके चारों ओर मिट्टी और शीशे से निर्मित कच्छी कलाकृतियों के साथ जनजातीय देव 'बाबा पिथोरा' की स्मृति में रेखांकित 'पिथोरा चित्रों' की श्रृंखला को प्रदर्शित किया गया है।

दिल्ली चुनाव में नोटों की बारिश!

कार से 47 लाख हुए बरामद

नई दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में तमाम राजनैतिक दल अपनी ताकत खपाने में लगे हुए हैं। जीत की चाहत में आरोप प्रत्यारोप और नोटों का कथित खेल भी शुरु हो गया है। दिल्ली के संगम विहार में 47 लाख रुपये पकड़े गए हैं। स्टेटिक सर्विलांस टीम ने ये कैश पकड़ा है। स्टेटिक सर्विलांस टीम ने दिल्ली चुनाव को देखते हुए बनाई गई है। कैश इको स्पोर्ट्स गाड़ी से बरामद किए गए हैं। पैसे का सोर्स जानने के लिए इनकम टैक्स की टीम फिलहाल पूछताछ कर रही है। इस कैश का चुनाव में इस्तेमाल किए जाने को लेकर भी जांच जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो ऐप के जरिये बुधवार को क्ष्छ्क्क के दिल्ली के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। पीएम मोदी दोपहर 01 बजे दिल्ली के बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं से वर्चुअली संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम को पार्टी ने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत बूथ संवाद' का नाम दिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 22 से 24 जनवरी तक अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में रैलियां करेंगे। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में पूर्व मंत्री डॉ नरेंद्र नाथ ने बताया कि 22 को इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन, 23 को मुस्तफाबाद व 24 जनवरी को मादीपुर में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पार्टी का मानना है कि राहुल की मौजूदगी से न केवल पार्टी के उम्मीदवारों को बल मिलेगा, बल्कि जनता के बीच कांग्रेस की विचारधारा और योजनाओं को भी मजबूती से पेश किया जा सकेगा। इसके अलावा दिल्ली चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एंट्री हो रही है। कल यानी 23 जनवरी से योगी दिल्ली में प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। उनकी मौजूदगी से चुनावी माहौल में बड़ा बदलाव आने की संभावना है। बीजेपी को उम्मीद है कि उनकी एंट्री दिल्ली चुनाव में बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाएगी। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार जारी है। यहां मुकाबला आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस में त्रिकोणीय है। मतदान जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। तीनो पार्टियां सत्ता में आने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। दिल्ली के सभी क्षेत्रों में लगातार बड़े नेता रैलियां कर रहे हैं।

पहला कॉलम

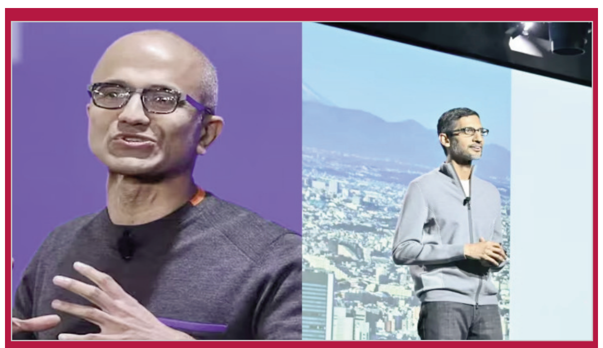

सत्य नडेला दुनिया में सीईओ की सूची में टॉप पर, सुंदर पिचाई दूसरे नंबर पर

-सूची में मूल्यवान कंपनियों का नेतृत्व करने वाले 226 अफसरों को मिली जगह

नई दिल्ली। दुनियाभर के भारतीयों में माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और मुख्य कार्य अधिकारी सत्य नडेला सबसे ऊपर हैं। ग्लोबल इंडियन सूची 2024 में वह शीर्ष स्थान पर हैं। इस सूची में विश्व की सबसे मूल्यवान कंपनियों का नेतृत्व करने वाले 226 अधिकारियों को जगह दी गई है। नडेला के बाद दूसरे स्थान पर अल्फाबेट के मुख्य कार्य अधिकारी सुंदर पिचाई और यूट्यूब के मुख्य कार्य अधिकारी नील मोहन तीसरे स्थान पर हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 400 लोगों पर किए गए सर्वेक्षण के आधार पर सूची तैयार की गई है और इसमें सूची में शामिल संपत्ति बनाने वाले भी शामिल हैं। इन अफसरों के नेतृत्व वाली कंपनियों का संयुक्त मूल्य करीब 10 लाख करोड़ डॉलर है। सूची में शामिल कंपनियों को 29 नवंबर, 2024 तक उनके बाजार पूंजीकरण और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों को उनके मूल्यांकन के आधार पर रखा है। सूची में उल्लेख किया गया है कि दुनियाभर में भारतीय मूल के अधिकारियों का दबदबा है। सूची में शामिल 79 फीसदी लोग अमेरिका में रहते हैं। उसके पांच 5 फीसदी ब्रिटेन और चार फीसदी लोग संयुक्त अरब अमीरात में रहते हैं। सैन फ्रैंसिस्को में सबसे ज्यादा 37 कंपनियों के शीर्ष अधिकारी रहते हैं। उसके बाद न्यूयॉर्क और पालो ऑल्टो, कैलिफोर्निया का स्थान है।

ट्रंप के शपथग्रहण में पहुंचा आतंकी पन्नू, हाइलाइट होने से बचता रहा

-पन्नू का दावा- उसे शपथग्रहण के लिए आमंत्रित किया गया

लुधियाना।

खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) चीफ गुरपतवंत पन्नू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथग्रहण समारोह में पहुंचा। इसका वीडियो सामने आया है। हालांकि खालिस्तान के नाम पर धमकाने वाला पन्नू इस वीडियो में बचते हुए नजर आ रहा है। इसके दो वीडियो सामने आए हैं। एक में पन्नू शपथ ग्रहण समारोह में आम दर्शकों की तरह कैपिटल हिल में घूमता दिख रहा है। इस दौरान उसका साथी वीडियो बना रहा है। इस दौरान उसके कोट पर खालिस्तान का सिंबल लगा है। दूसरे वीडियो में वह उस मंच के नजदीक नजर आता, जिसमें ट्रम्प अपनी पत्नी मेलानिया के साथ खड़े हैं। इस दौरान शपथ ग्रहण समारोह में आए लोग यूएसए-यूएसस के नारे लगा रहे हैं। इसी बीच पन्नू पल भर के लिए नजर आता है और खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए चुप हो जाता है। पन्नू का दावा है कि उसे शपथग्रहण के लिए ट्रम्प गुट ने आमंत्रित किया था। हालांकि इंटरनेशनल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पन्नू ने शपथग्रहण प्रोग्राम का टिकट खरीदा था। पन्नू की स्थिति देखकर ऐसा लगता है कि वह इस समारोह में आया जरूर था लेकिन वह खुद को हाइलाइट होने से बचाना चाहता था। इसके अलावा उसके साथ कोई दूसरा खालिस्तान समर्थक भी नजर नहीं आया, जो खालिस्तान के समर्थन में नारे लगा रहा हो।

हिमाचल में बर्फबारी: आधा दर्जन राज्यों में होगी बारिश, दस्तक देगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली।

हिमाचल में हुई बर्फबारी के बाद आधा दर्जन राज्यों में बारिश और हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड फिर दस्तक देने वाली है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक, 23 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर बारिश और बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि 22 जनवरी को राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, 22 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ बारिश की संभावना है।

जहां तक दिल्ली-एनसीआर की बात है तो यहां 23 जनवरी के बाद ठंड बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि 24 जनवरी को सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर कोहरा छाने की संभावना है। इसे देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, कुछ स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा भी छाने की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान 18 जबकि न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश में बुधवार-गुरुवार को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि उसके बाद 27 जनवरी तक मौसम शुष्क रहेगा। स्थानीय मौसम कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि हंसा और काजा में क्रमशः 2.5 सेमी और 0.8 सेमी बर्फबारी हुई। राज्य के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहा।

पंजाब के अमृतसर में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। लुधियाना में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था, जबकि पटियाला में न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री दर्ज किया गया। पठानकोट, गुरदासपुर, फिरोजपुर और मोहाली में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक क्रमशः 8.6 डिग्री, 8 डिग्री, 8.1 डिग्री और 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, बठिंडा और फरीदकोट में रात काफी ठंडी रही और न्यूनतम तापमान क्रमशः 6.4 डिग्री तथा 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अफवाहों पर जीतनराम मांझी ने लगाया विराम, हमें मोदी जी पर है पूरा भरोसा....

नई दिल्ली ।

हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतनराम मांझी ने मोदी सरकार से अलग होने की अफवाहों पर विराम लगा दिया। मांझी ने स्पष्ट कर दिया कि उनके खिलाफ किसी तरह की साजिश नहीं हो रही है। उन्होंने कहा, अगर मेरे खिलाफ कोई साजिश करेगा भी तब हम उसके नतीजे भुगतने के लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम पर जो भरोसा जताया है, वहां बहुत बड़ी बात है। जब एक व्यक्ति जो पहली बार चुनाव जीता है, उस शख्स को एमएसएमई जैसा महत्वपूर्ण विभाग सौंपा जाता है, तब ये एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें मोदी जी पर पूरा भरोसा है, और हम उनके साथ हैं।

बिहार के पूर्व सीएम मांझी ने विधानसभा चुनाव को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, बिहार में हम अपनी ताकत दिखाएंगे मैंने मीडिया से ऐसा कुछ नहीं कहा। मैं अपने कार्यकर्ताओं से कहता हूं कि आप ही हमारी ताकत हैं। झारखंड में हमारी ताकत का सही इस्तेमाल नहीं हुआ, अगर हमारी मदद ली जाती, तब एनडीए को ज्यादा सीटें मिल सकती थीं। दिल्ली में भी मैंने इस बारे में बात की थी। लेकिन वहां भी हमारी मदद नहीं ली गई।

अगर हमें दिल्ली में एक सीट मिलती, तब हमारे कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता और हम ज्यादा मेहनत करते। हमारी मदद से एनडीए को फायदा होता। लेकिन, हमारी बात नहीं मानी गई। उन्होंने बिहार चुनाव के बारे में भी साफ किया कि कोई नया विकल्प नहीं होगा। हम सब मिलकर तय कर चुके हैं कि बिहार का नेतृत्व नीतीश कुमार जी के पास रहेगा, क्योंकि उनका काम बहुत सराहनीय है।

तुर्की के होटल में आधी रात को चल रही पार्टी के दौरान लगी आग 76 की मौत

अंकारा।

तुर्की में स्की रिसॉर्ट होटल में लगी आग में कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई और 51 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बोलू प्रांत के कार्तलकाया स्की रिसॉर्ट में स्थित एक होटल में आधी रात के बाद आग लग गई। इमारत में एक मंजिल पर रेस्त्रां चलता है। आग रेस्तरां में लगी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया, कई लोग घबराहट में होटल की इमारत से कूद गए, जिससे उनकी मौत हो गई। कार्तलकाया रिसॉर्ट तुर्की के प्रमुख शीतकालीन पर्यटन स्थलों में से एक है, जो स्की सीजन में हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह होटल 1978 से तुर्की के स्कीयर के लिए एक प्रमुख केंद्र रहा है। बोलू शहर, अंकारा और इस्तांबुल के बीच स्थित एक प्रमुख शहर है, और यह क्षेत्र स्की पर्यटन के लिए जाना जाता है। कोरोग्लू पर्वत की चोटी पर स्थित, बोलू शहर के केंद्र से 38 किमी दूर, अंकारा और इस्तांबुल से 180 किमी दूर, स्की एंड माउंटेन होटल 60,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। बोलू प्रांत के गवर्नर अब्दुलअजीज आयडिन ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन आग की लपटों ने बहुत तेजी से होटल को अपनी चपेट में ले लिया।आग लगने की

सूचना मिलने पर अग्निशमन दल, खोज एवं बचाव इकाइयां तथा चिकित्सा दल शहर मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड और बचाव टीमों ने मिलकर लगभग 230 लोगों को सुरक्षित निकाला। तुर्की के न्याय मंत्री यिलमाज़ टुनक ने बताया कि इस हादसे की जांच के लिए बोलू प्रांत के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय द्वारा एक न्यायिक जांच शुरू की गई है।

वक्फ का लाभ गरीब आदमी को मिल सके, हमारी कोशिश एक अच्छा कानून बनाएं

जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने वक्फ बोर्ड संशोधन को लेकर मीडिया से कहा

अयोध्या।

जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम को गरीबों के लिए अच्छा बताया है। उन्होंने दावा किया कि ये कानून ऐतिहासिक होगा। अयोध्या पहुंचने पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने एक बड़ी जिम्मेदारी दी है। हमारी कोशिश एक अच्छा कानून बनाने की है, जिससे वक्फ का लाभ गरीब आदमी को मिल सके। लखनऊ में हमने बैठक की है। इस बैठक में जेपीसी के सदस्यों के साथ और इससे जुड़े तमाम अधिकारी मौजूद थे। हमें उम्मीद है कि एक अच्छी रिपोर्ट पेश होगी, जो देश के लिए और वक्फ के लिए ऐतिहासिक कानून होगा और वक्फ के उद्देश्य को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि हम पूरे देश का भ्रमण कर चुके हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, चेन्नई, कर्नाटक, असम, ओडिशा, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं। हमारी रिपोर्ट तैयार है। बोर्ड के सदस्यों से सुझाव मांगे गए हैं, जिसके बाद 24-25 जनवरी को बैठक होगी। उसके बाद इस रिपोर्ट को पेश करेंगे। मुझे लगता है कि एक अच्छे कानून के लिए और संशोधन के लिए सभी सहमति व्यक्त करेंगे और परस्पर सहमति से यह कानून बनेगा। अयोध्या का दर्शन-पूजन करने को लेकर पाल ने कहा कि वह पिछले 50 सालों से यहां आता रहे हैं। यहां आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है और ईश्वर से मंगलकामना करता हूं। वक्फ संशोधन अधिनियम के लिए संसद द्वारा गठित कमेटी की बैठक मंगलवार को लखनऊ में हुई। इस बैठक में यूपी सरकार के मंत्री और अधिकारी भी शामिल हुए। इससे पहले पटना में जेपीसी ने हितधारकों के साथ बैठक की थी। माना जा रहा है कि जेपीसी 31 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र में अपनी रिपोर्ट पेश कर सकती है।

गडकरी ने सार्वजनिक मंच से बताया कि मेरी असली रुचि जैविक खेती, कृषि, और जल संरक्षण में है

शौचालयों का पानी बेचकर हर साल होती है 300 करोड़ की आमदनी: केंद्रीय मंत्री गडकरी

पणजी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी विवादों से दूर और बेहतर काम करने वाले नेता के तौर पर जाने जाते हैं। उनके कई कामों ने देश दुनिया को हैरान किया है। गोवा में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने शौचालयों को जिक्र करते हुए कहा कि मेरे क्षेत्र में पिछले 8 साल से हम शौचालयों का पानी बेच रहे हैं, जिससे हमें हर साल 300 करोड़ रुपये की आय हो रही है। इसके साथ ही, हम कचरे को अलग करके प्लास्टिक, धातु, और कांच जैसे रिसाइकिल होने वाले पदार्थों को निकाल रहे हैं। हम जैविक कचरे से बायो सीएनजी भी बना रहे हैं, और 28 टन बायो सीएनजी का उत्पादन कर रहे हैं। हमारा यह प्रोजेक्ट सिर्फ 2 महीने में पूरा होने वाला है, जो पारिस्थितिकी के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है।

गडकरी ने सार्वजनिक मंच से बताया कि मेरी असली रुचि जैविक खेती, कृषि, और जल संरक्षण में है। मुझे 11 डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई है और उनमें से 6 उपाधियां कृषि और जल संरक्षण से संबंधित हैं। यह मेरे लिए एक जुनून है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने ये भी बताया कि जिस विषय में उन्होंने शिक्षा प्राप्त की है उसके प्रति वो जुनूनी हैं। उन्होंने ये बातें गोवा में फैशन डिजाइनर रितू बेरी के फंक्शन में अपने संबोधन के दौरान कही। गडकरी ने कहा, जहां एक तरफ दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में आबादी बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ सुकून की तलाश के लिए लोग बड़ी संख्या में गोवा का रुख कर रहे हैं, लेकिन अब यहां पर भी लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। इसके बाद उन्होंने अपनी रुचि पर बात की। बोले, गोवा में बुनियादी ढांचे का विकास मेरे जिम्मे है, और मैं इस काम के लिए पूरी तरह से समर्पित हूं। हालांकि, मेरी असली रुचि जैविक खेती, कृषि, और जल संरक्षण में है। मुझे 11 डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई है और उनमें से 6 उपाधियां कृषि और जल संरक्षण से संबंधित हैं। यह मेरे लिए एक जुनून है।

गोवा की खूबसूरती और विकास की उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि मुझे गोवा के इस विकास कार्य के बारे में सुनकर खुशी होती है, विशेषकर उन परियोजनाओं के बारे में जो हस्तशिल्प और हथकरघा से जुड़ी हुई हैं। गोवा पर्यटन के लिहाज से एक बेहद आकर्षक स्थान है, और इसकी खूबसूरत प्रकृति की वजह से यहां दुनियाभर के लोग आते हैं। फिर केंद्रीय मंत्री ने अपनी योजनाओं के बारे में भी बताया। बोले, मैं वर्तमान में जोहरी ब्रिज पर एक दर्शक दीर्घा बना रहा हूं, जहां से आप गोवा के सुंदर दृश्य देख सकते हैं। इस परियोजना का उद्देश्य गोवा की

खूबसूरती को और भी लोगों तक पहुंचाना है। हालांकि, गोवा में बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या से समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं, जैसा कि दिल्ली और मुंबई में भी देखा जा सकता है। फिर भी, गोवा की सुंदरता और यहां के प्राकृतिक संसाधन इसे एक आदर्श स्थान बनाते हैं।